संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 343
पृष्ठ 8
शुक्रवार
04 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शरीर के लिए वरदान हैं...

विचार- उर्दू कविताओं में श्री कृष्ण भक्ति

खेल- समीक्षा बैठक के लिए मुख्यालय...

सीएम ने 1051 करोड़ रुपए की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, बोले

आज उपद्रव से पहले व्यवस्था की बात होती है

मथुरा,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मथुरा दौरे पर हैं। सीएम 1051 करोड़ रुपए की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं। कार्यक्रम में पीएम आवास योजना (शहरी) और सीएम आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को 72 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि भी वितरित की है।

सीएम ने वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी में 42 करोड़ रुपए की लागत से बने श्री स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। करीब 20 हजार वर्ग मीटर में बने इस अत्याधुनिक सभागार में एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है।

कार्यक्रम में बीजेपी नेता श्रीकांत शर्मा ने कहा– यमुना में गिरने वाले 36 नालों में से 4 नालों को टेप किया जा चुका है। अब 4 नाले बाकी हैं। इन्हें

भी अक्टूबर तक टेप कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए काम लगातार जारी है।

विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रात में मथुरा में ही रुकेंगे। शुक्रवार को वह श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए मथुरा और वृंदावन में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

सीएम योगी ने बताया– 84 कोस, 5 कोस और 3 वन परिक्रमा क्षेत्र के विकास का काम भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम ब्रज क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करने के साथ–साथ यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित कर रहे हैं।

वृंदावन क्षेत्र में करीब 400 एकड़ में सिटी फॉरेस्ट विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ मथुरा–वृंदावन के सौंदर्यीकरण और पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

योगी बोले– हमारी विरासत संगीत में है, हमारी कला में है, हमारे दर्शन में है, गणित में है, विज्ञान में है, चिकित्सा में है, खगोल ज्ञान में है, हमारी लोक परंपराओं में है और हमारी ज्ञान परंपरा में है। इसीलिए डबल इंजन की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में विकास का एक नया आयाम जोड़ा है–'विरासत भी और विकास भी', 'आस्था भी और आर्थिकी भी', यानी अर्थव्यवस्था भी। 'परंपरा भी और परिवर्तन भी'–हम परंपरा के साथ आधुनिकता को भी जोड़ रहे हैं।

आज अयोध्या हो, काशी हो, मथुरा–वृंदावन हो, बरसाना, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव जैसे तीर्थ हों या विंध्याचल–हम सभी तीर्थस्थलों के विकास के साथ उनकी विरासत, संस्कृति और आस्था को संरक्षित करने का काम कर रहे हैं।

सीएम योगी बोले– पहले उत्सव से पहले उपद्रव की आशंका रहती थी, आज उपद्रव से पहले व्यवस्था की बात होती है। यही बदलाव उत्तर प्रदेश में आया है। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के तहत मथुरा–वृंदावन के कायाकल्प का काम आगे बढ़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

लॉ स्टूडेंट्स के खिलाफ कार्रवाई का अधिकार बीसीआई के पास नहीं

नयी दिल्ली,एजेंसी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के NALSAR लॉ यूनिवर्सिटी से जुड़े उस आदेश को लेकर चल रहे विवाद के बीच, जिसे बाद में वापस ले लिया गया था, सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि BCI और राज्य बार काउंसिलों के पास लॉ स्टूडेंट्स के व्यवहार को रेगुलेट करने की कानूनी शक्ति नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ये संस्थाएं उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई तभी कर सकती हैं जब वे एडवोकेट के तौर पर एनरोल हो जाएं। ये टिप्पणियाँ भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की तीन जजों की बेंच ने कीं। बेंच ने कहा कि छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करना उनके संबंधित विश्वविद्यालयों या संस्थानों के अधिकार क्षेत्र में आता है, जो उनके अपने नियमों और

विनियमों के तहत होता है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने कहा, ष्यह अधिकार उस विश्वविद्यालय या शिक्षण संस्थान के पास होता है जिसमें छात्र नामांकित होते हैं। बार काउंसिल ऑफ इंडिया कानूनी शिक्षा के मानकों को निर्धारित और लागू कर सकती है, जो कानूनी प्रावधानों और लागू नियमों के अनुसार हों। हालाँकि, वह किसी लॉ छात्र के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं कर सकती है। इस सब की शुरुआत ठब् के 13 अगस्त के उस आदेश से हुई जिसमें कहा गया था कि NALSAR यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के ग्रेजुएट्स को राज्य बार काउंसिल्स में एनरोल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में कांत के शामिल होने का विरोध किया था। हालाँकि, बाद में भारी विवाद के बाद इस आदेश को वापस ले लिया गया। BCI के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने सफाई दी और कहा कि लोकतंत्र में असहमति का हमेशा स्वागत किया जाता है।

दिल्ली जल बोर्ड घोटाला केस में सत्येंद्र जैन को बड़ी राहत

नयी दिल्ली,एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड से जुड़े कथित घोटाला मामले में पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को जमानत दे दी है। विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) दिग्विनय सिंह ने गुरुवार को मामले में आदेश पारित करते हुए जैन को दो जमानतदारों के साथ 2 लाख रुपये का निजी बेल बॉन्ड भरने का निर्देश दिया। सत्येंद्र जैन को इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा यानी ।ब्ठ ने 18 अगस्त को गिरफ्तार किया था। कोर्ट के ताजा आदेश से उन्हें फिलहाल इस मामले में बड़ी राहत मिली है। हालांकि, जमानत मिलने के बावजूद मामले की जांच और उससे जुड़ी कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी। यह मामला दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स को अपग्रेड करने से जुड़े प्रोजेक्ट्स की टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं का है।जांच एजेंसी का आरोप है कि ठेकों की प्रक्रिया में कुछ शर्तों में कथित तौर पर बदलाव या हेरफेर किया गया था। मामले में कथित आपराधिक साजिश और रिश्वत के लेनदेन से जुड़े आरोपों की भी जांच की जा रही है। सत्येंद्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। दिल्ली सरकार के डायरेक्टोरेट ऑफ विजिलेंस की शिकायत के बाद मई 2024 में यह मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में दिल्ली जल बोर्ड की कुछ परियोजनाओं में टेंडर प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए गए थे। जांच एजेंसी अब इस बात की पड़ताल कर रही है कि टेंडर हासिल करने की प्रक्रिया में नियमों का पालन हुआ था या नहीं और कथित अनियमितताओं के पीछे किसकी भूमिका थी। मामले में सामने आए दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। एसीबी द्वारा गिरफ्तारी के बाद सत्येंद्र जैन ने अदालत में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। 19 अगस्त को कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को अवैध घोषित करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद मामले में जमानत की प्रक्रिया आगे बढ़ी। अब राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें जमानत देने का फैसला सुनाया है। अदालत की ओर से निर्धारित शर्तों को पूरा करने के बाद वह इस मामले में जेल से बाहर आ सकेंगे। जमानत का अर्थ यह नहीं है कि मामले में लगाए गए आरोप खत्म हो गए हैं। जांच एजेंसी की ओर से लगाए गए आरोपों की कानूनी जांच आगे भी जारी रहेगी।

भाजपा पर अभिजीत दिपके का हमला,स्कूल ठीक करो अभियान का क्यों हो रहा विरोध

नयी दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के अध्यक्ष अभिजीत दिपके ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान 'स्कूल ठीक करो' अभियान को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बेहतर स्कूल और शिक्षा का मुद्दा किसी एक राजनीतिक पार्टी या संगठन का मुद्दा नहीं है, बल्कि देश के हर बच्चे के भविष्य से जुड़ा सवाल है। अभिजीत दिपके ने कहा कि आम आदमी पार्टी के साथ–साथ महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी भी स्कूलों को बेहतर बनाने की बात कर रही हैं। ऐसे में जो भी लोग चाहते हैं कि देश के स्कूल अच्छे हों, उनका स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब भी स्कूलों को बेहतर बनाने की बात होती है, तो बीजेपी के लोग इसका विरोध क्यों करने लगते हैं। क्या बीजेपी को नहीं लगता कि शिक्षा महत्वपूर्ण है और देश के भविष्य के लिए अच्छे स्कूल जरूरी हैं? अभिजीत दिपके पर आम आदमी पार्टी की बी टीम होने और अरविंद केजरीवाल से फंडिंग मिलने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि अलग–अलग लोग उन्हें अलग–अलग पार्टियों की बी टीम बताते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उन्हें कांग्रेस की बी टीम बताते हैं, जबकि कुछ लोग अरविंद केजरीवाल की बी टीम होने का आरोप लगाते हैं।

भारत–बेल्जियम साझेदारी में नयी गति, अगले 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य : मोदी

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि पिछले एक दशक में भारत और बेल्जियम की साझेदारी में नयी गति आयी है और दोनों देशों के बीच सहयोग पारंपरिक क्षेत्रों से बढ़कर रक्षा तथा स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीति क्षेत्रों तक पहुंच गया है जिसे आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। श्री मोदी ने भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक संबंधों के लिए नये अवसर खुले हैं। बेल्जियम की कंपनियों के लिए भारत में निवेश फास्ट–ट्रैक तंत्र बनाया गया है और भारत–बेल्जियम व्यापार मंच को नियमित तंत्र बनाने का निर्णय लिया गया है। श्री मोदी ने भारत यात्रा पर आये बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर से गुरुवार को यहां द्विपक्षीय वार्ता की। वार्ता के बाद श्री मोदी

ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य में कहा कि दोनों देशों के संबंधों में पिछले एक दशक में उल्लेखनीय प्रगति हुई है और आज की चर्चा से दोनों देशों के संबंधों में नया अध्याय जुड़ा है। उन्होंने कहा कि सहयोग अब पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों का साहस और बलिदान दोनों देशों की साझा स्मृति का अहम हिस्सा है। लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था और गहरे जनसंपर्क भारत और बेल्जियम को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश जोरावर टैंक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर साथ काम कर रहे हैं। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में दुनिया की सबसे बड़ी हरित अमोनिया परियोजनाओं में से एक को विकसित किया जा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी गति बनाए रखी है और पिछली तिमाही में इसमें 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी है। भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को उन्होंने ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे आर्थिक संबंधों के लिए नये अवसर खुले हैं। उन्होंने कहा कि बेल्जियम की कंपनियों के लिए भारत में निवेश फास्ट–ट्रैक तंत्र बनाया गया है और भारत–बेल्जियम व्यापार मंच को नियमित तंत्र बनाने का निर्णय लिया गया है। दोनों देशों की वित्तीय, फिन टेक और नियामक संस्थाओं के बीच तालमेल बढ़ाया जाएगा। इन पहलों के माध्यम से अगले 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य है। रक्षा और सुरक्षा सहयोग को संबंधों का प्रमुख स्तंभ बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य आदान–प्रदान और प्रशिक्षण सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। सरकारों और रक्षा उद्योगों के बीच हुए समझौतों से रक्षा क्षेत्र में सह–विकास और सह–उत्पादन के नये अवसर खुलेंगे।

अभिजीत दीपके का भाजपा पर हमला, बोले- हम छात्रों की 'ए टीम'

मुंबई,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत के दौरान श्स्कूल ठीक करोश अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बेहतर स्कूल और शिक्षा का मुद्दा किसी एक राजनीतिक पार्टी या संगठन का मुद्दा नहीं है, बल्कि देश के हर बच्चे के भविष्य से जुड़ा सवाल है। अभिजीत दीपके ने कहा कि आम आदमी पार्टी के साथ–साथ महाराष्ट्र में शिवसेना और एनसीपी भी स्कूलों को बेहतर बनाने की बात कर रही हैं। ऐसे में जो भी लोग चाहते हैं कि देश के स्कूल अच्छे

हों, उनका स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब भी स्कूलों को बेहतर बनाने की बात होती है, तो भाजपा के लोग इसका विरोध क्यों करने लगते हैं। क्या भाजपा को नहीं लगता कि शिक्षा महत्वपूर्ण है और देश के भविष्य के लिए अच्छे स्कूल जरूरी हैं? अभिजीत दीपके पर आम आदमी पार्टी की श्बी टीमश होने और अरविंद केजरीवाल से फंडिंग मिलने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि अलग–अलग लोग उन्हें अलग–अलग पार्टियों की बी टीम बताते हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उन्हें कांग्रेस की श्बी टीमश बताते हैं, जबकि कुछ लोग अरविंद केजरीवाल की बी टीम होने का आरोप लगाते हैं। अभिजीत ने तंज कसते हुए कहा कि सभी लोग एक साथ बैठकर यह तय कर लें कि आखिर वह किसकी बी टीम हैं। उन्होंने कहा, हम किसी पार्टी की बी टीम नहीं हैं, हमारे हिसाब से हम छात्रों की ए टीम हैं। अभिजीत दीपके की शैक्षणिक योग्यता और डिग्री को लेकर उठ रहे सवालों पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि जो लोग सार्वजनिक जीवन में हैं, उनकी डिग्री और शिक्षा को लेकर सवाल पूछे जा सकते हैं। खास तौर पर चुनाव लड़ने वाले लोगों और संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों से उनकी शैक्षणिक योग्यता को लेकर सवाल होना चाहिए।

शुभकामना

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

सूचना

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 6 सितम्बर को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

जन–मन के मार्गदर्शक हैं श्रीकृष्ण

जब हम भारतीय मन की गहराई में उतरते हैं, तो वहाँ एक नाम निरन्तर प्रकाश की तरह उपस्थित मिलता है – श्रीकृष्ण। श्रीकृष्ण केवल द्वापर के एक ऐतिहासिक चरित्र नहीं, बल्कि भारतीय जन–मानस के चिरंतन पथ–प्रदर्शक हैं। राजनीति से लेकर कूटनीति तक, प्रेम से वैराग्य तक तथा युद्ध से लेकर योग तक, जीवन का कोई ऐसा आयाम नहीं, जहाँ कृष्ण मार्गदर्शक के रूप में उचित–अनुचित का बोध न कराते हों।

आज जब समाज दिशाहीनता, मूल्य–संकट और सूचना के अतिरेक से जूझ रहा है, तब भगवान श्रीकृष्ण की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

श्रीकृष्ण जन–मानस में धर्म के पुनर्पाठ तथा कर्तव्य के सौंदर्य के रूप में समाए हुए हैं। उनका मानव–मात्र के प्रति अमूल्य योगदान है – गीता। कुरुक्षेत्र के कोलाहल में जब अर्जुन मोहग्रस्त होकर गांडीव छोड़ देते हैं, तब कृष्ण उन्हें पलायन का नहीं, कर्तव्य–पथ का बोध कराते हैं।

'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन'– यह मात्र एक श्लोक नहीं, बल्कि अखिल विश्व के लिए मनोवैज्ञानिक उपचार है। आज का मनुष्य परिणामों की चिंता में कर्म से विमुख हो रहा है।युवा प्रतियोगिता के दबाव में अवसाद में है, किसान फल की अनिश्चितता से टूट रहा है, गृहस्थ भविष्य की चिंता में वर्तमान खो रहा है। ऐसी परिस्थितियों के लिए कृष्ण कहते हैं, 'फल तुम्हारे हाथ में नहीं, पर कर्म की निष्ठा तुम्हारे हाथ में है।' यह दर्शन व्यक्ति को कर्ता से द्रष्टा बनाता है और तनाव से मुक्त करता है।

कृष्ण हमारे सम्मुख जन–नायक के रूप में लोकतांत्रिक स्वरूप की व्याख्या के प्रतीक हैं। वे राजमहल में जन्मे, पर पले–बढ़े गोकुल की गलियों में। उन्होंने राजसत्ता से अधिक लोकसत्ता को महत्त्व दिया। वे द्वारकाधीश होकर भी सुदामा के मित्र हैं, अर्जुन के सारथी हैं, द्रौपदी के सखा हैं। यह जन–नायक की परिभाषा है। आज जब नेतृत्व को अक्सर सत्ता और अहंकार का पर्याय समझा जाता है, कृष्ण सिखाते हैं कि सच्चा नेता वह है जो सबसे पीछे खड़ा होकर भी सबसे आगे ले चले – सारथी बनकर। उन्होंने कभी स्वयं शस्त्र नहीं उठाया, पर पूरे युद्ध की दिशा तय की। यह कूटनीति नहीं, यह लोक–प्रबंधन है।

कृष्ण की बाल–लीलाएँ भी जन–मन के करीब हैं। माखन चुराना, गोवर्धन उठाना, कालिया नाग का दमन – ये कथाएँ केवल चमत्कार नहीं हैं। ये प्रतीक हैं – संसाधनों का समान वितरण, प्रकृति की रक्षा और दुष्ट प्रवृत्तियों का दमन। एक सामान्य ग्रामीण भी इन कथाओं में अपना जीवन देख लेता है।

कृष्ण प्रेम और योग का अद्भुत समन्वय हैं। भारतीय परम्परा में कृष्ण दो परस्पर विरोधी धाराओं को जोड़ते हैं। एक ओर रास रचाने वाले, बाँसुरी बजाने वाले प्रेमावतार, तो दूसरी ओर स्थितप्रज्ञ योगेश्वर। हमने प्रेम को अक्सर दुर्बलता और योग को नीरसता समझ लिया। कृष्ण बताते हैं कि प्रेम ही सबसे बड़ा योग है और योग ही सबसे परिपक्व प्रेम। उनका राधा के प्रति प्रेम में कोई अधिकार–भाव नहीं, कोई बंधन नहीं – वह विशुद्ध, निष्काम प्रेम है। वहीं उनका उद्धव को दिया गया ज्ञान योग की पराकाष्ठा है। आज के समाज में जहाँ संबंध स्वार्थ और लेन–देन पर टिके हैं, कृष्ण का प्रेम–दर्शन हमें सिखाता है – जुड़ो, पर जकड़ो मत।

वर्तमान संदर्भ में कृष्ण और अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। आज भारत ही नहीं, विश्व एक नए कुरुक्षेत्र में खड़ा है। एक ओर जलवायु संकट, दूसरी ओर युद्ध का उन्माद, एक ओर तकनीक की दौड़, दूसरी ओर मनुष्य के भीतर बढ़ता अकेलापन। ऐसे में कृष्ण का 'समत्वं योग उच्यते'का मंत्र ही समाधान है। समता – मन की, समाज की और प्रकृति के साथ। उन्होंने गीता में कहा – 'मैं सब प्राणियों में हूँ'। यह पर्यावरण–बोध का मूल मंत्र है।

कृष्ण हमें सिखाते हैं कि जीवन से भागना धर्म नहीं है। वे संन्यास धारण करने को नहीं कहते, वे सांसारिकता में रहकर भी कमल की तरह निर्लिप्त रहना सिखाते हैं। यही जन–मन का मार्गदर्शन है।

निष्कर्षत:,श्रीकृष्ण अतीत की स्मृति नहीं, भविष्य की दृष्टि हैं। वे मूर्ति में बंद देवता नहीं, बल्कि हर मनुष्य के भीतर सोई हुई चेतना हैं, जो कहती है – उठो, अपना धर्म पहचानो और कर्म करो। जब तक भारत का जन–मानस इस बाँसुरी की धुन और गीता की गूँज को सुनता रहेगा, तब तक वह अपना मार्ग नहीं भूलेगा।

डॉ. अवनीश यादव
प्रांतीय शिक्षा सेवा संवर्ग, उ.प्र.

हाईकोर्ट बार चुनाव में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण की मांग, रोस्टर के अनुसार लागू हो रिजर्वेशन

प्रयागराज। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर 21 सितंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट सुनवाई करेगा। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर 21 सितंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट सुनवाई करेगा। न्यायमूर्ति अजित कुमार, न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने हाईकोर्ट और बार एसोसिएशन से पूछा है कि महिलाओं के आरक्षण से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में कोई हलफनामा दाखिल किया गया है तो उसकी प्रति समक्ष प्रस्तुत की जाए। महिला अधिवक्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अर्चना सिंह ने पक्ष रखा। याचिका अधिवक्ता कुमारी अपराजिता सिंह की ओर से दाखिल की गई है। इसमें हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सभी पदों पर 30 प्रतिशत महिला आरक्षण और एकल पदों पर रोस्टर के अनुसार आरक्षण लागू करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुरूप आरक्षण के रोस्टर का पालन करते हुए अवध बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर जनहित याचिका पर 14 अगस्त को फैसला दिया है। इसके तहत 2027 के चुनाव में महासचिव और 2028 में अध्यक्ष पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया है। वर्ष 2026 के चुनाव में वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पद महिलाओं के लिए आरक्षित है। बार एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि चुनाव की नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इसलिए इस समय याचिका पर सुनवाई का औचित्य नहीं है। महिला अधिवक्ताओं की ओर से कहा गया कि अगले चुनाव से लागू होने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए जाएं। साथ ही 2027 में अध्यक्ष पद महिलाओं के लिए आरक्षित किया जाए।

एक साल बाद फिर दिखा तेंदुआ, सीसीटीवी में कैद हुई तस्वीर, ग्रामीणों में दहशत

प्रयागराज। प्रयागराज के सराय इनायत थाना क्षेत्र के कतवारूपुर गांव में मंगलवार रात करीब एक साल बाद फिर तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। खेत से नाले की ओर जाते तेंदुए की तस्वीर अधिवक्ता के घर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है।

सराय इनायत थाना क्षेत्र के कतवारूपुर गांव में मंगलवार रात करीब एक साल बाद फिर तेंदुआ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। खेत से नाले की ओर जाता तेंदुआ एक अधिवक्ता के घर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मौके पर जांच–पड़ताल की और ग्रामीणों से सतर्क रहने को कहा।

मंगलवार रात करीब 11 बजे गांव निवासी अधिवक्ता संदीप यादव और महेंद्र यादव खेतों में मवेशियों को देखने के लिए टहल रहे थे। इसी दौरान खेत में हलचल दिखाई दी। संदीप ने टॉर्च जलाकर देखा तो तेंदुआ खेत से निकलकर अधिवक्ता संजय यादव के घर के बगल स्थित बांस के झुरमुट में घुस गया।

गांव में तेंदुआ दिखाई देने की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग हाथों में भाला, लाठी–डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए। हालांकि, लोगों की हलचल के बीच तेंदुआ बांस के झुरमुट से निकलकर नाले में उगी झाड़ियों में गायब हो गया।बुधवार सुबह संजय यादव के मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की गई तो उसमें तेंदुआ भागता हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से पूछताछ की। वन कर्मियों ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पहले भी कई गांवों में दिखा था तेंदुआ

इससे पहले पिछले वर्ष नौ अगस्त को कछार से निकलकर तेंदुआ क्षेत्र के धनैचा मलखानपुर गांव में धान के खेत में बैठा दिखाई दिया था। ग्रामीणों के पहुंचने पर वह भागकर पास के ज्वार के खेत में घुस गया था। वन विभाग की टीम ने जाल लगाकर उसे पकड़ने का प्रयास किया था, लेकिन तेंदुआ गांव के युवक राजेंद्र को घायल कर दूसरे खेत में भाग गया था। दो दिन बाद सुदनीपुर कला गांव में तेंदुए ने तालाब के किनारे चारा खा रहे बकरी के बच्चे का शिकार किया था। ग्रामीणों के पहुंचने पर वह बच्चे को छोड़कर झाड़ियों में गुम हो गया था।

तेंदुए का रेस्क्यू करने के लिए वन विभाग के आला अधिकारी जुट गए थे। रेस्क्यू के लिए कानपुर से एक्सपर्ट भी बुलाए गए, लेकिन सफलता नहीं मिली। कुछ दिन बाद जमुनीपुर गांव में धान के खेत में बैठे तेंदुए ने शौच के लिए गए एक युवक को घायल कर दिया था और खेत में भाग गया था।

कई महीने तक क्षेत्र में दहशत का पर्याय बना रहा यह तेंदुआ आठ जनवरी को झूंसी थाना क्षेत्र के छिबैयां गांव में तीन लोगों को घायल करने के बाद गांव निवासी रतन सिंह के मकान में घुस गया था। वन विभाग की टीम ने उसे ट्रैंक्विलाइज कर रेस्क्यू किया था और बाद में चित्रकूट के जंगल में छोड़ दिया था।

अगस्त 2025 से सितंबर 2026 तक इन इलाकों में दिखा

प्रयागराज के गंगापार इलाके में तेंदुए की मौजूदगी ने कई बार ग्रामीणों को दहशत में डाला। अगस्त 2025 में तेंदुआ सबसे पहले झूंसी के पास दिखाई दिया था। इसके बाद वह सरायइनायत थाना क्षेत्र के धनैचा–मलखानपुर, सुदनीपुर कला और आसपास के गांवों में लगातार दिखाई देता रहा। बाद में जमुनीपुर और अन्य इलाकों में भी उसकी गतिविधियां सामने आईं। आठ जनवरी 2026 को झूंसी क्षेत्र के छिबैयां गांव में तेंदुआ पकड़ा गया था। अब करीब आठ महीने बाद सरायइनायत के कतवारूपुर गांव में मंगलवार रात एक बार फिर तेंदुआ दिखाई दिया और उसकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है।

तेंदुए की गतिविधियों का घटनाक्रम

5 अगस्त 2025 के आसपासरू बाढ़ के दौरान झूंसी के पास तेंदुआ दिखाई दिया था। ग्रामीणों के शोर मचाने पर वह पेड़ पर चढ़ गया था। इसके बाद वन विभाग उसकी तलाश में जुट गया था।

9 अगस्त 2025रू सरायइनायत थाना क्षेत्र के धनैचा–मलखानपुर गांव में तेंदुआ धान और बाजरे के खेतों में दिखाई दिया। वन विभाग ने उसकी घेराबंदी की, लेकिन वह एक ग्रामीण को घायल कर दूसरे खेत में भाग गया।

11 अगस्त 2025 रू धनैचा–मलखानपुर से निकलकर तेंदुआ सुदनीपुर गांव पहुंच गया। यहां उसने बकरी के बच्चे पर हमला किया, लेकिन ग्रामीणों के शोर मचाने पर भाग निकला।

12 अगस्त 2025रू सुदनीपुर कला में तेंदुए ने रैतारा तालाब के पास बकरी के बच्चे को दबोच लिया। ग्रामीणों के शोर मचाने पर वह बच्चे को छोड़कर झाड़ियों में भाग गया। वन विभाग ने इलाके में सर्च अभियान चलाया।

17 अगस्त 2025रू सुदनीपुर कला में तेंदुआ फिर दिखाई दिया। उसने एक किसान को दौड़ा लिया और बाद में एक बछड़े पर हमला कर उसे घायल कर दिया।

3 सितंबर 2025रू सुदनीपुर कला में तेंदुआ फिर दिखाई दिया। दिन में वह बच्चों से भरी स्कूल वैन के सामने आ गया, जबकि शाम को एक घर के सामने भी उसकी गतिविधि देखी गई। दोनों घटनाओं की तस्वीरें सीसीटीवी में कैद होने की बात सामने आई।

8 सितंबर 2025रू सरायइनायत के जमुनीपुर गांव में तेंदुए ने धान के खेत में एक युवक पर हमला कर उसे घायल कर दिया। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाश की और उसके पदचिह्न मिलने की बात कही।

8 जनवरी 2026रू झूंसी क्षेत्र के छिबैयां गांव में तेंदुआ पहुंचा। वहां कई लोगों के घायल होने के बाद वह एक मकान में घुस गया था। वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे पकड़ लिया था।

2 सितंबर 2026 की रातरू करीब एक साल बाद सरायइनायत थाना क्षेत्र के कतवारूपुर गांव में फिर तेंदुआ दिखाई दिया। मंगलवार रात करीब 11 बजे खेत से नाले की ओर जाते तेंदुए को ग्रामीणों ने देखा। वह बांस के झुरमुट और फिर नाले की झाड़ियों की ओर चला गया।

बुधवार सुबह मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देखने पर तेंदुआ उसमें भागता हुआ दिखाई दिया। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से पूछताछ की और सतर्क रहने की अपील की।

महाराष्ट्र पुलिस ने प्रयागराज में ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया, 140 करोड़ की ड्रग्स जब्त

प्रयागराज। प्रयागराज में महाराष्ट्र पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए खेतों के बीच बने एक शेड में संचालित कथित ड्रग फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस के अनुसार यहां एमडी ड्रग्स तैयार की जा रही थी। कार्रवाई में करीब 130 करोड़ रुपये की एमडी ड्रग्स बरामद की गई है। मामले में गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से कुल 21 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है।

प्रयागराज में महाराष्ट्र पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। मीरा रोड पुलिस ने खेतों के बीच बने एक शेड में चल रही कथित ड्रग फैक्टरी का खुलासा करते हुए करीब 130 करोड़ रुपये की डक ड्रग्स बरामद की है। कार्रवाई के दौरान गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से जुड़े कुल 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार प्रयागराज के एक ग्रामीण इलाके में खेतों के बीच बने शेड को कथित तौर पर ड्रग्स तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। यहां एमडी ड्रग्स के निर्माण का काम चलने की जानकारी मिलने के बाद महाराष्ट्र की मीरा रोड पुलिस ने कार्रवाई की।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शेड की तलाशी ली। इस दौरान बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 130 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

महाराष्ट्र पुलिस ने की कार्रवाई

बताया जा रहा है कि मीरा रोड पुलिस ने इस कार्रवाई को एक विशेष ऑपरेशन के तहत अंजाम दिया। प्रयागराज में चल रहे कथित ड्रग निर्माण नेटवर्क तक पहुंचने के बाद पुलिस ने मौके पर छापा मारा और बरामदगी की।

तीन राज्यों से जुड़े हैं आरोपी

मामले में गिरफ्तार आरोपियों के तार उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से जुड़े बताए जा रहे हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कथित ड्रग नेटवर्क का संचालन कौन कर रहा था और तैयार की गई ड्रग्स की सप्लाई कहां–कहां की जाती थी। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।

बंदरों के उत्पात से निपटने की कार्रवाई आंख में धूल झोंकने जैसी, हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बंदरों के उत्पात से निपटने के लिए गठित समितियों की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने उनके अध्यक्षों को तलब किया है। कहा है कि समिति का गठन महज आंख में धूल झोंकने के लिए किया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बंदरों के उत्पात से निपटने के लिए गठित समितियों की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने उनके अध्यक्षों को तलब किया है। कहा है कि समिति का गठन महज आंख में धूल झोंकने के लिए किया गया है। अब तक

बंदरों के उत्पात और आम जनता की परेशानियों पर कोई जमीनी काम नहीं किया गया। यह टिप्पणी मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने विनीत शर्मा व अन्य की जनहित याचिका पर की है। कोर्ट ने आदेश पर प्रदेश सरकार ने 15 जुलाई को 13 अधिकारियों की समिति गठित की थी। समिति को याचियों की ओर से सुझाई गई कार्ययोजना पर विचार कर बंदरों की समस्या के समाधान के उपाय बताने थे। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया था कि समिति नियमित अंतराल पर बैठक करें, उसकी कार्यवाही महज कागजों तक सीमित न रहे, बैठकों की प्रगति और कार्यवृत्त पेश किए जाएं। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से बताया गया कि समिति की अब तक केवल एक बैठक 21 अगस्त को हुई। इसमें भी चार सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा गया।

हैरानी की बात यह सामने आई कि समिति के दोनों संयुक्त अध्यक्ष, प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी बैठक में मौजूद ही नहीं थे। कोर्ट ने पाया कि बैठक का कोई कार्यवृत्त भी तैयार नहीं किया गया। उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर के अलावा बैठक में ठोस कार्रवाई का कोई रिकॉर्ड नहीं था। इस पर पीठ ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि समिति का गठन महज 'आंखों में धूल झोंकने' जैसा साबित हुआ है। ऐसा प्रतीत होता है कि इसका उद्देश्य केवल मामले में स्थगन लेना और वास्तविक रूप से कुछ नहीं करना है। कोर्ट ने कहा कि समिति के सदस्यों का रवैया और प्रदेश सरकार का न्यायालय के आदेशों के प्रति सामान्य दृष्टिकोण स्वीकार्य नहीं है। बंदरों की समस्या करीब 15 महीने से बनी है। इसके बावजूद अधिकारी इसे गंभीरता से लेते नजर नहीं आ रहे हैं। कोर्ट ने समिति को हर सप्ताह बैठक करने और प्रत्येक बैठक का विधिवत कार्यवृत्त तैयार करने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई से पहले समिति को बंदरों की समस्या के समाधान के संबंध में कोई ठोस निर्णय लेकर उसकी जानकारी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि आदेश के अनुसार बैठकें नहीं हुईं तो पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग और नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव, जो समिति के संयुक्त अध्यक्ष हैं, अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होंगे। अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता को आदेश की जानकारी सभी संबंधित पक्षों को देने का निर्देश दिया गया है। 12 अक्तूबर को सुनवाई होगी।

आपराधिक मुकदमे में बरी होना बर्खास्तगी रद्द करने का आधार नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपराधिक मुकदमे में कर्मचारी के बरी होने मात्र से विभागीय जांच में साबित कदाचार और उसके आधार पर की गई बर्खास्तगी स्वतः समाप्त नहीं हो जाती। आपराधिक मुकदमे और विभागीय कार्यवाही दो अलग–अलग प्रक्रियाएं हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपराधिक मुकदमे में कर्मचारी के बरी होने मात्र से विभागीय जांच में साबित कदाचार और उसके आधार पर की गई बर्खास्तगी स्वतः समाप्त नहीं हो जाती। आपराधिक मुकदमे और विभागीय कार्यवाही दो अलग–अलग प्रक्रियाएं हैं। दोनों में साक्ष्य के मूल्यांकन और प्रमाण के मानक भी अलग होते हैं। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की एकल पीठ ने मुरादाबाद में तैनात रहे कांस्टेबल करमवीर सिंह राठी की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने सभी की सेवा समाप्ति, अपील और पुनरीक्षण में पारित आदेशों में हस्तक्षेप करने से इन्कार करते हुए उनकी बर्खास्तगी बरकरार रखी। याची नौ जून 2013 को बड़वाल थाने में तैनात था। आरोप लगा कि सत्याग्रह एक्सप्रेस ट्रेन में ड्यूटी के दौरान नशे की हालत में उसने यात्रियों से मारपीट की और रुपये छीने। इस संबंध में सीतापुर के जीआरपी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद उसे निलंबित कर विभागीय जांच शुरू की गई। विभागीय जांच में नशे में होने, अनुशासनहीनता, कर्तव्य के प्रति लापरवाही, यात्रियों से दुर्व्यवहार और आपराधिक मामले की जानकारी विभाग को न देने और जेल से रिहा होने के बाद अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के आरोप भी लगाए गए। जांच अधिकारी ने आरोप सिद्ध पाए थे। इसके आधार पर उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।

इस बीच आपराधिक मुकदमे में याची को सात नवंबर 2015 को बरी कर दिया गया। याची ने इसी आधार पर विभागीय कार्रवाई रद्द करने की मांग की। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला दिया। कहा कि विभागीय जांच में दोष सिद्ध करने के लिए संभावनाओं की प्रबलता का मानक लागू होता है, जबकि आपराधिक मुकदमे में आरोप संदेह से परे साबित करना होता है। कोर्ट ने पाया कि विभागीय जांच में गवाहों ने याची के खिलाफ बयान दिए थे। इसके अलावा आपराधिक मुकदमे के अतिरिक्त विभागीय जांच में आपराधिक मामले की सूचना न देना और अनधिकृत अनुपस्थिति जैसे आरोप भी थे। इसलिए आपराधिक अदालत के फैसले के आधार पर विभागीय जांच के निष्कर्षों को पलटने का कोई आधार नहीं था।

कमजोर साक्ष्य पर फांसी की सजा पलटी, दुष्कर्म–हत्या का आरोपी बरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट से मिली फांसी की सजा को पलटते हुए आरोपी विनोद पासी को बरी कर दिया है। कहा कि अभियोजन के गवाह भरोसेमंद नहीं थे और जांच में ऐसी गंभीर कमी रही।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म और हत्या के मामले में ट्रायल कोर्ट से मिली फांसी की सजा को पलटते हुए आरोपी विनोद पासी को बरी कर दिया है। कहा कि अभियोजन के गवाह भरोसेमंद नहीं थे और जांच में ऐसी गंभीर कमी रही। मृतका के शरीर से लिए गए नमूनों का आरोपी के शरीर से लिए गए नमूनों से मिलान नहीं कराया गया। ऐसे कमजोर साक्ष्य पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने दिया है। मामला 20 अप्रैल 2012 को प्रयागराज के नवाबगंज थाना क्षेत्र में सात वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या से जुड़ा था। मामले में अपर विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो एक्ट कोर्ट ने 15 मई 2025 को विनोद पासी को दोषी मानते हुए मृत्युदंड की सजा सुनाई थी। इसके बाद हाईकोर्ट में फांसी की सजा की पुष्टि के लिए संदर्भ और आरोपी की ओर से अपील दाखिल की गई।

हाईकोर्ट ने अभियोजन के प्रमुख गवाहों के बयानों में गंभीर विरोधाभास पाया। प्रथम सूचनादाता ने एफआईआर में आरोपी को बच्ची को ले जाते हुए देखने की बात स्पष्ट रूप से नहीं कही थी। जबकि अदालत में उसने दावा किया कि उसने आरोपी को बच्ची को बिस्कुट का लालच देकर ले जाते हुए देखा था। कोर्ट ने गवाहों के विरोधाभास को महत्वपूर्ण माना।

कान्हा की नगरी को विकास की सौगात, सीएम योगी ने किया स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का शुभारंभ

42.15 करोड़ की लागत से बना अत्याधुनिक सभागार, 1000 लोगों के बैठने की क्षमता; लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ भी बांटा

मथुरा। वृंदावन के गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विभिन्न विकासपरक कार्यक्रमों में सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने परिसर में पारिजात का पौधा रोपकर वृक्षारोपण किया तथा स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह का बटन दबाकर शुभारंभ किया। 42.15 करोड़ रुपये की लागत से स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इसमें करीब 1000 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। परिसर में मुक्ताकाशी रंगमंच (ओपन एयर थिएटर),

मीराबाई गेस्ट हाउस और कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध है।

दो किसानों को सौंपी ट्रैक्टर की सांकेतिक चाबी

मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजना के तहत सुनहरी लाल और अजय कुमार को ट्रैक्टर की सांकेतिक चाबी प्रदान की। दोनों लाभार्थियों को चार–चार लाख रुपये की अनुदान राशि का लाभ मिला। योजना के तहत जनपद के नौ लाभार्थियों को चार लाख रुपये प्रति लाभार्थी की दर से कुल 36 लाख रुपये की धनराशि से लाभान्वित किया गया।

प्रो–पुअर प्रदर्शनी में महिला समूहों के उत्पाद देखे

मुख्यमंत्री ने गीता शोध संस्थान परिसर में लगी प्रो–पुअर प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उत्तर प्रदेश प्रो–पुअर पर्यटन विकास परियोजना के तहत विभिन्न महिला स्वयं सहायता समूहों और स्थानीय उद्यमियों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए थे। मुख्यमंत्री ने एक–एक स्टॉल पर पहुंचकर उत्पादों की जानकारी ली। प्रदर्शनी में तुलसी माला, पुष्प प्रबंधन, महिला पोशाक, गाय के गोबर से बने उत्पाद, हाईटेक नर्सरी, तेल–आटा–बेसन से बने उत्पाद, ठाकुरजी की विशेष पोशाक और मथुरा के पेड़े सहित स्थानीय उत्पाद प्रदर्शित किए गए। मुख्यमंत्री ने एकीकृत पुष्प प्रबंधन केंद्र, तुलसी फसल भंडार एवं उत्पादन केंद्र जैत, सेंटर फॉर लिविंग ट्रेडिशन्स तथा राधाकृष्ण पोशाक सेंटर गौरानगर के प्रतिरूप भी देखे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने तीन बच्चों युवान, कान्हा और चेष्टा का अन्नप्राशन संस्कार कराया। उन्होंने बच्चों को खीर खिलाकर पोषण किट, हिमालय किट, खिलौने और मिष्ठान वितरित किया। वहीं पार्वती और मनसा की गोदभराई कर उन्हें पोषण किट, मिष्ठान और साड़ी भेंट की। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी परिसर में विशेष तैयारियां की गई थीं।

पतंजलि ऋषिकुल में हुआ श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं कक्षा-1 के वार्षिकोत्सव का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन

पतंजलि ऋषिकुल में 3 सितंबर 2026 को अत्यंत श्रद्धा, उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं कक्षा –1 का वार्षिकोत्सव मनाया गया। संपूर्ण विद्यालय प्रांगण में भक्ति, कला और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। हर तरफ एक अलौकिक दिव्यता और सकारात्मकता की आभा का एहसास हो रहा था ।विद्यालय परिसर के मंदिर क्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण के जीवन की झलकियां दर्शाती झांकियों एवं साज सज्जा में ईश्वर की दिव्यता के दर्शन हो रहे थे।

इस समारोह में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं कक्षा –1 के विद्यार्थियों के वार्षिकोत्सव के एक साथ आयोजन से आस्था, संस्कृति, कलात्मक एवं शाश्वत रंगों का सुंदर समावेश रहा ।कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भगवान श्री कृष्ण के जीवन, उनकी शिक्षाओं, भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराओं से परिचित कराना था।

इस शुभ अवसर पर कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉक्टर युगांतर पांडे, विद्यालय प्रबंधन समिति के सम्मानित सदस्य ,महर्षि पतंजलि विद्यालय समूह की सचिव महोदया डॉक्टर कृष्णा गुप्ता,पतंजलि ऋषिकुल के अध्यक्ष श्री रवीन्द्र गुप्ता, सचिव श्री यशोवर्धन, विद्यालय की निदेशिका मैडम रेखा बेद पतंजलि ऋषिकुल के प्रधानाचार्य श्री नित्यानंद सिंह एवं पतंजलि नर्सरी स्कूल की विद्यालय प्रमुख श्रीमती विभा श्रीवास्तव, शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रकाश के पर्याय, अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक दीपक को ईश्वर के सम्मुख प्रज्जवलित कर दीप प्रज्जवलन की परंपरा का निर्वहन करके किया गया। तत्पश्चात बच्चों द्वारा विशिष्ट अतिथियों को सम्मानपूर्वक हस्त निर्मित भगवान जगन्नाथ की मूर्ति भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिवादन किया गया ।

विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नित्यानंद सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि बच्चों के पालन पोषण में माता–पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है ।उन्होंने अभिभावकों से कहा कि हमें बाबा नंद एवं मां यशोदा की तरह अपने बच्चों को प्रेमपूर्ण वातावरण देना चाहिए जिससे

वे स्वयं में आत्मविश्वास जागृत कर सके और दूसरों के साथ पूर्ण सामंजस्य में जीते हुए अपने जीवन को सफल बना सके ।

समारोह में कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम दिव्य यात्रा – 'मत्स्य से कल्कि तक' के माध्यम से भगवान विष्णु के दशावतारों की सुंदर एवं प्रभावशाली प्रस्तुति से हुई जिसने सभी को मंत्रमुग्ध करके श्री हरि की दिव्यता का दर्शन कराया। इसके पश्चात श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर आधारित भजन 'कान्हा के जन्मदिन आया' की कर्णप्रिय प्रस्तुति से संपूर्ण वातावरण कृष्णमय हो गया ।

अगली प्रस्तुति में श्री जगन्नाथ जी की पावन रथ यात्रा का जीवंत मंचन बच्चों द्वारा किया गया । इसमें नृत्य एवं अभिनय के माध्यम से जगन्नाथ जी की महिमा के साथ ही साथ बहुत ही खूबसूरती से यह संदेश भी दिया गया कि ईश्वर हर भक्त को बिना किसी भेदभाव के अपनी शरण में लेते हैं। इसी कड़ी में सजा एक और प्रमुख आकर्षण 'नवरस ऑफ कृष्णा' की नृत्य एवं संगीत से सजी मनमोहक प्रस्तुति ने आनंद, उल्लास, डांडिया और दही –हांडी धूम से ऊर्जा और भक्ति मिश्रित एक ऐसा वातावरण निर्मित किया जिसमें दर्शक बरबस ही झूम उठे और पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजायमान हो उठा।

इसके बाद Living krishna*s Teacling' में श्री कृष्ण के शाश्वत ज्ञान एवं जीवन मूल्यों के संदेश से भक्ति की भावना बहुत ही सहजता से ज्ञान एवं चिंतन में परिवर्तित हो गई। बच्चों ने भावपूर्ण अभिनय द्वारा श्री कृष्ण की शिक्षाओं जैसे– सत्य, धर्म, करुणा आदि को जीवन में अपनाने का मूल मंत्र दिया।

कार्यक्रम की अंतिम प्रस्तुति 'ज्पदल मिमज कपअपदम उमसवक' में श्री कृष्ण के बालपन की लीलाओं और उनकी चंचल अदाओं के सुंदर प्रदर्शन ने सभी को भक्ति के रस में सराबोर कर दिया।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर युगांतर पांडे ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि हमें छोटे बच्चों पर पढ़ाई का बहुत दबाव नहीं डालना चाहिए । प्रतियोगिता के दौड़ में उन्हें कभी भी भगाना नहीं चाहिए । उन्होंने माता–पिता को अपने बच्चों की बात सुनने और उनके साथ सार्थक समय बिताने का सुझाव दिया और महर्षि पतंजलि विद्यालय समूह के विद्यालयों को बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए बधाई दी।

सचिव डॉ० कृष्णा गुप्ता ने सभी को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी ।उनके प्रेरणादायक संबोधन ने कार्यक्रम को और भी समृद्ध कर दिया । उन्होंने प्रस्तुति की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय प्रत्येक बच्चे के अंदर विद्यमान कृष्ण को एक सुंदर, संस्कार युक्त एवं मूल्यपरक वातावरण प्रदान करके उन्हें जागृत करने के लिए प्रतिबद्ध है । उन्होंने अभिभावकों को बच्चों के विकास की यात्रा में सक्रिय रूप से सहभागी बनने के लिए प्रेरित कियाऔर कहाकि हमें अपने बच्चों में संस्कार और नैतिक मूल्यों का रोपण करना चाहिए। उनका पालन–पोषण सकारात्मक वातावरण में स्नेहपूर्वक करना चाहिए।

अपने संदेश में निदेशक महोदया श्रीमती रेखा बेद एवं सचिव श्री यशोवर्धन ने विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए आध्यात्मिक रूप से समृद्ध एवं उत्कृष्ट कार्यक्रम की प्रस्तुति के लिए सभी की सराहना की ।उन्होंने सत्य और धर्म के मार्ग पर चलते हुए अपने कर्तव्यों को निष्ठापूर्वक समर्पण के साथ निभाने के महत्व पर बल दिया।

कार्यक्रम का समापन विद्यालय समन्विका श्रीमती अनुपमा द्विवेदी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। यह समारोह सभी के लिए एक आनंदमय और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव रहा। इस कार्यक्रम ने भक्ति, ज्ञान, कर्म और जीवन मूल्यों के सुंदर संदेश की चिरस्थायी स्मृतियाँ दी।

चाय मलाईमार के

(छप्पय)

पकती है जब चाय महक से खुलें झरोखे।
अद्भुत प्यारा स्वाद स्वाद के रंग अनोखे।
मिलजुल कर सब साथ ले रहे चाय–चुस्कियाँ।
आपस के संवाद खोलतीं सभी गुत्थियाँ।
याद किसे आती नहीं कुल्हड़ वाली चाय की।
अखबारों के साथ में चर्चा सभी समाज की।।

प्याली चुक्कड़ ग्लास किसी में ढालो इसको।
ढलकर उसके संग खुशी देती है सबको।
हालचाल के साथ सियासी रौनक लाती।
कुल्हड़ वाली चाय रंग जब है दिखलाती।
कोई पीता था कड़क कोई नींबू डाल के।
अच्छी लगती थी मुझे चाय मलाईमार के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरण नाथ धाम में प्रबन्ध समिति की बैठक 6 सितंबर को, सावन मेले की होगी समीक्षा, तय होगी आगे की रणनीति

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में 6 सितंबर रविवार को प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की बैठक होगी। बैठक में बीते सावन मास मेला की समीक्षा की जायेगी साथ ही आगामी कार्य योजना

की रणनीति तय होगी। यह जानकारी देते हुए धाम के महासचिव समाज शेखर ने बताया कि भयहरण नाथ धाम में प्रस्तावित विकास योजनाओं को गति देने व धाम की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मुहिम पर चर्चा कर पहल होगी। वहीं नियमित परम्परा गत कार्यक्रमों में सुव्यवस्था के संदर्भ में निर्णय लेकर आवश्यक कदम उठाये जायेंगे।

लखनऊ में 17 साल के लड़के को लात-घूसों से पीटा

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में आपसी विवाद के दौरान वहां खड़े 17 साल के लड़के को कुछ युवकों ने बेरहमी से पीट दिया। आरोप है कि किशोर का विवाद से कोई लेना–देना नहीं था। घटना के बाद उसके पिता ने ठाकुरगंज थाने में आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। जिसका वीडियो अब सामने आया है। गढ़ी पीर खां बाबा हजाराबाग निवासी मोहम्मद इनाम खान ने पुलिस को बताया कि 2 सितंबर को दोपहर करीब 2 बजे सिटी मॉन्टेसरी स्कूल, हरदोई रोड के गेट के सामने असद अब्बास और अब्दुल्ला के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो रहा था।

दिल्ली से वाराणसी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट की लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ (संवाददाता)। दिल्ली से वाराणसी के लिए उड़ान भरने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट को तकनीकी संकेत के चलते आज सुबह लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आपात स्थिति में उतारना पड़ा। विमान के पिछले कार्गो कंपार्टमेंट में अचानक धुंएं का संकेत मिलने के बाद पायलट ने एहतियात बरतते हुए यह फैसला लिया। जानकारी के मुताबिक लखनऊ एयरपोर्ट के प्रवक्ता के अनुसार एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स 1253 ने धुएं का संकेत मिलने की सूचना दी और सुबह 08.52 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। इस मौके पर प्रवक्ता ने बताया कि लैंडिंग के बाद एयरपोर्ट की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने विमान की जांच की लेकिन कहीं भी धुआं नहीं दिखा।

दिनेश कुमार बने अखिल भारत हिंदू महासभा के उत्तर भारत प्रभारी

संगठन विस्तार को मिलेगी गति, सदस्यता अभियान और निष्क्रिय इकाइयों को सक्रिय करने की होगी जिम्मेदारी

वृंदावन। अखिल भारत हिंदू महासभा ने संगठन विस्तार को लेकर बड़ा निर्णय लेते हुए दिनेश कुमार को उत्तर भारत प्रभारी नियुक्त किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सनातन सम्राट जगदगुरु स्वामी चक्रपाणि महाराज के आशीर्वाद एवं निर्देशानुसार यह नियुक्ति की गई है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय से जारी नियुक्ति पत्र क्रमांक अभाहिम / 26 / 004 के अनुसार दिनेश कुमार का कार्यकाल एक सितंबर 2026 से 31 अगस्त 2027 तक एक वर्ष का रहेगा। नियुक्ति पत्र राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. इंदिरा तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश रैना एडवोकेट और राष्ट्रीय सचिव वेद आशीष श्रीवास्तव के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

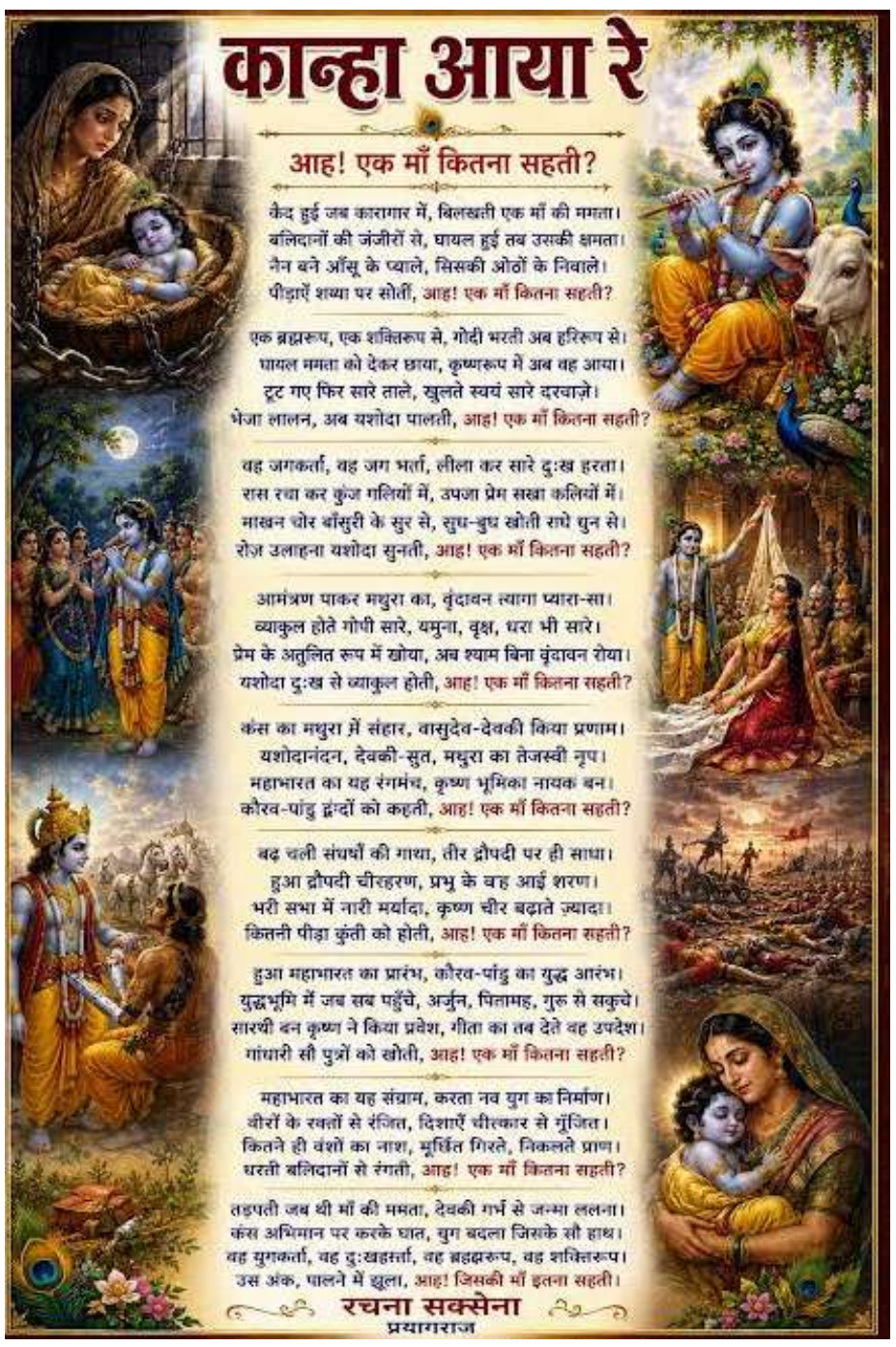

उत्तर भारत प्रभारी के रूप में दिनेश कुमार को सदस्यता अभियान को गति देने, प्रदेश एवं जिला स्तर की निष्क्रिय कार्यकारिणियों को सक्रिय करने तथा युवाओं, अधिवक्ताओं और बुद्धिजीवियों को संगठन से जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके कार्यक्षेत्र में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और राजस्थान सहित उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्र शामिल होंगे। नवनियुक्त प्रभारी दिनेश कुमार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष और शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि संगठन के विस्तार को प्राथमिकता देते हुए जल्द ही विभिन्न राज्यों का प्रवास कर कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें की जाएंगी। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ और ब्लॉक स्तर तक मजबूत करने के लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जाएगी। नियुक्ति पर महासभा के कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताते हुए दिनेश कुमार को बधाई दी।

राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के काकोरी में गुरुवार सुबह राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से 51 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। वह रेलवे ट्रैक पर लेटा हुआ था। हादसा पोल संख्या 1086 / 11–13 के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 6.45 बजे रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति के ट्रेन से कटने की सूचना मिली। उपनिरीक्षक राजकुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां युवक का शव ट्रैक के बीच पड़ा था। जीआरपी और ट्रैकमैन की मदद से शव को ट्रैक के किनारे कराया गया। पुलिस ने मृतक की तलाशी ली तो जेब से आधार कार्ड मिला। इससे उसकी पहचान रईस अहमद पुत्र मकसूद अहमद, निवासी वली नगर, काकोरी के रूप में हुई। उसकी उम्र करीब 51 वर्ष थी। सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। बेटे उस्मान ने शव की पहचान अपने पिता के रूप में की। पुलिस ने शव को एंबुलेंस से लखनऊ मोर्चरी भेज दिया। पंचायतनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है, यह गाड़ी अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, संरचना, दिन, ठहराव एवं समय पर चलेगी, जिसका विवरण निम्नवत है :-

गाड़ी सं.	से	तक	संचालन का दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की तिथि से	विस्तार की तिथि तक
04113	प्रयागराज जं.	हुब्बल्लि जं.	शनि.	26.09.26	03.10.26	12.12.26
04114	हुब्बल्लि जं.	प्रयागराज जं.	मंगल.	29.09.26	06.10.26	15.12.26
04149	प्रयागराज जं.	यशवंतपुर जं.	बुध.	23.09.26	30.09.26	09.12.26
04150	यशवंतपुर जं.	प्रयागराज जं.	शनि.	26.09.26	03.10.26	12.12.26

गाड़ी संख्या 04113/04114 प्रयागराज जं.-हुब्बल्लि जं. का चिक्कजाजुर जं. स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है, समय सारणी निम्नवत है :-

गाड़ी संख्या - 04113 आगमन	गाड़ी संख्या - 04113 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी संख्या - 04114 आगमन	गाड़ी संख्या - 04114 प्रस्थान
10:50	10:53	चिक्कजाजुर जं.	11:50	11:53

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2031/26 (C)

उत्तर मध्य रेलवे

No. CC-6/E-Auction/SLR/2026 Dated: 01.09.2026

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक,उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र संख्या- 2022 TC (FM)/10/04, दिनांक 13.06.2022 (FM No. 11 of 2022) के संदर्भ में प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों में पार्सल स्पेस (एसएलआरऔर वीपी)को पट्टे पर देने के अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

पार्किंग

पार्किंग का विवरण	अवधि	ई-आक्सन कैटलाग संख्या	ई-आक्सन प्रारंभ तिथि एवं समय
प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन (सिटी साइड) पर हेतु पार्किंग	03 माह	PRYJ-MX-PRKG-26	09.09.2026 at 11.00 hrs

पे & यूज टॉयलेट

पे & यूज टॉयलेट का विवरण	अवधि	ई-आक्सन कैटलाग संख्या	ई-आक्सन प्रारंभ तिथि एवं समय
अलीगढ़ रेलवे स्टेशन के द्वितीय श्रेणी प्रतीक्षालय में स्थित पे & यूज टॉयलेट ब्लॉक का (संचालन एवं रखरखाव आधार पर) हेतु ठेका।	03 वर्ष	PnU-ALJN -TOI-26	15.09.2026 at 12.00 hrs

S. N.	कम्पार्टमेंट	गाड़ी संख्या	क्षमता (टन में)	कहाँ से कहाँ तक	आवृत्ति (हफ्ते भर में)	ई-नीलामी सूची सं.	ई-नीलामी प्रारंभ दिनांक और समय
1	FSLR	12275	3.9	PRYJ-NDLS	03 days	PRYJ-PRCL-26-08	09.09.2026 at 11.30 hrs
2	FSLR	20433	3.9	SFG-SVDK	07 days	PRYJ-PRCL-26-08	09.09.2026 at 11.30 hrs
3	FSLR	12033	3.9	CNB-NDLS	03 days	PRYJ-PRCL-26-08	09.09.2026 at 11.30 hrs

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए 09 अगस्त 2026 से 15 अगस्त 2026 के दौरान होने वाली ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जा सकते हैं। 1. बोलीदाताओं,जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण www.cca.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है। 2. बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कराना होगा। 3. एकमुश्त पंजीकरण शुल्क रु. 10000.00/- और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावसायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। 4. इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp पर जाने की सलाह दी जातीहैं। 5.अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी): नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 5%, सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। 6. रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। 7. सफल बोली लगाने वाले को लागू टर्मिनल विकास शुल्क और रेलवे प्रशासन द्वारा लगाए गए किसी भी अन्य शुल्क का भुगतान पार्सल स्पेस के लिए एकमुश्त लीज फ्रेट के अलावा करना पड़ सकता है। 8. सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर लागू जीएसटी का भुगतान पार्सल स्पेस के लिए एकमुश्त लीज फ्रेट और लागू टर्मिनल डेवलपमेंट चार्ज के ऊपर माल /पार्सल के परिवहन के लिए करना होगा। 2015/26 (D)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

महंगाई पर हाहाकार, सरकार का दावा कुछ और

सितंबर का महीना आते ही देश में पर्व–त्योहारों की शुरुआत भी हो जाती है। रक्षाबंधन तो महंगाई के बीच किसी तरह बीत गया। लेकिन अब गणेश चतुर्थी, तीज, नवरात्रि, करवा चौथ, दशहरा, दीपावली सारे अहम पर्व त्योहार लोगों को मनाने हैं। सवाल यही है कि जिस तेजी से महंगाई बढ़ी है, क्या उसके बाद त्योहारों की खुशियों पर आम आदमी का कुछ हक बचेगा, या त्योहार भी अब केवल अमीरों के लिए रहेंगे। क्योंकि इस बार सितंबर की शुरुआत होते ही महंगाई का चौतरफा वार भी शुरू हो गया है। ऊपर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राहत के दो बोल कहने की जगह किर्गिस्तान में बैठकर प्रवचन दे रहे हैं कि लोग विदेश यात्रा न करें, सोना न खरीदें, स्थानीय उत्पाद खरीदें। पाठक जानते हैं कि किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन की शीर्ष बैठक में शामिल होने के लिए नरेन्द्र मोदी गए हुए हैं। किर्गिस्तान से पहले वे उज्बेकिस्तान पहुंचे। लोग विदेश यात्रा न करें, ऐसी अपील करने से पहले मोदी थोड़ा इंतजार कर लेते कि खुद देश लौट आएं। लेकिन उन्हें अब इन सबकी कोई परवाह ही नहीं है। इस साल अब तक नरेन्द्र मोदी कम से कम 15 देशों की यात्रा कर चुके हैं। जब प.एशिया में अमेरिका और इजरायल की युद्ध नीति के कारण संकट बढ़ा और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद होने के कारण ऊर्जा का संकट गहराया, तब भी नरेन्द्र मोदी ने यही अपील की थी कि लोग सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें, विदेश न जाएं, सोना न खरीदें। हालांकि ऐसे उपदेश देकर वो खुद विदेश दौरे पर निकल गए थे और लोगों को चिढ़ाने के लिए इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी भेंट कर रहे थे। नरेन्द्र मोदी ग्लोबल की जगह लोकल यानी स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का ज्ञान भी जनता को बांटते–फिरते हैं, लेकिन खुद उनके चश्मे, जूते, घड़ियां, गाड़ियां सब विदेशी रहते हैं। हर किसी के लिए गांधी बनना मुमकिन नहीं है कि आश्रम में रहें और अपने हाथ से काते हुए सूत के कपड़े पहनें। लेकिन गांधीजी किसी को ज्ञान नहीं देते थे, वो अपने जीवन में जिन मूल्यों पर यकीन रखते थे, उन्हें अपनाते थे, बाकी लोग उनका अनुसरण करते थे। लेकिन नरेन्द्र मोदी सारा त्याग और समर्पण लोगों से मांगते हैं और खुद विदेशों में घूम रहे हैं। इस समय देश में महंगाई से लेकर शिक्षा, लड़कियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी जैसे कई मुद्दों पर हाहाकार मचा है। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को फिर से एक इंस्टाग्राम रील बनाकर कहा है कि देश खुशियों से भर गया है। दरअसल सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026–27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल–जून में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने इंस्टाग्राम वीडियो के साथ लिखा 7.8 फीसदी की वृद्धि, मजबूत आंकड़े और उससे भी मजबूत भरोसा। प्रधानमंत्री ने इंस्टाग्राम वीडियो में कहा कि दुनिया युद्ध, संकट, सप्लाई चेन में बाधा और कोविड के बाद की आर्थिक अस्थिरता से जूझ रही है, लेकिन इन परिस्थितियों के बावजूद भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके बाद उन्होंने श्वोकल फॉर लोकलश विदेश यात्रा करने से बचना चाहिए, सोना खरीदने से भी बचना चाहिए जैसा ज्ञान दिया। इस वीडियो में श्झूठ की गूंजश और श्निराशाश फैलाने वालों का जिक्र मोदी ने किया, जो साफ तौर पर राहुल गांधी के युवाओं से जुड़े छात्रों की गूंज अभियान पर सीधा हमला है। मतलब अगर खुशी का मौका रहे, फिर भी नरेन्द्र मोदी राहुल गांधी को कोसे बिना नहीं रह सकते, यह जाहिर हो गया। हालांकि इस जीडीपी वृद्धि की सच्चाई कुछ और ही है। देश में दूध–चीनी से लेकर प्याज और अंडे तक की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। ऊपर से तेल महंगा होने के बाद सामानों की आवाजाही भी महंगी होगी। 1 सितंबर से जेट फ्यूल भी महंगा हो गया है। घरेलू एयरलाइंस के लिए एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी की गई है, जिसमें रुपए 6.28 प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। अब एटीएफ रुपए 115.00 से बढ़कर रुपए 121.28 प्रति लीटर हो गया है। इधर 5 किलो वाले सिलेंडर की कीमत भी रुपए 762 से बढ़कर रुपए 764 हुई। हालांकि, घरेलू सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की गई। चीनी 56 से लेकर 62 रुपये तक आ गई है। दूध की कीमत अब रुपए 93 से सीधे 102 पहुंच गई है। 9 किलो वाला कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर भी महंगा हो गया है। दिल्ली में इसकी कीमत में 9.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अब यह 2747.50 रुपये में मिलेगा। कुछ दिन पहले सीएनजी की कीमत करीब 4 रुपये बढ़ी थी। यानी एक तरफ महंगाई से आम जनता को राहत नहीं है, बल्कि शिकंजा और कस चुका है, वहीं नरेन्द्र मोदी बता रहे हैं कि देश में खुशियां हैं। असल में मोदी जमीनी हकीकत से बिलकुल अनजान हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसी पर लिखा कि लाइट्स, कैमरा और... कोई एक्शन नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में मोदी जी की पब्लिसिटी की कहानी कुछ ऐसी ही है। खड़गे ने बताया कि आम लोग बेरोजगारी, असहनीय महंगाई और बेतहाशा असमानता के बोझ तले दबे हैं। बेरोजगारी 50 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। 40 प्रतिशत युवा ग्रेजुएट बिना नौकरी के हैं। जुलाई 2026 में 15 से 29 साल की उम्र के हर 6 में से 1 युवा भारतीय बेरोजगार था। हर साल 2 करोड़ नौकरियों का वादा टूट चुका है। खुदरा महंगाई 19 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर है।

उर्दू कविताओं में श्री कृष्ण भक्ति

डॉ अजय मालवीय

रामायण और महाभारत की भांति श्रीमद् भागवत गीता के भी अनुवाद उर्दू भाषा में प्रचुर मात्रा में हुए हैं। मेरे शोध के अनुसार अब तक लगगभग डेढ़ सौ अनुवाद उर्दू भाषा में हो चुके हैं। हिंदू रचनाकारों के साथ साथ मुस्लिम साहित्यकारों ने भी श्रीनमद् भागवत गीता का अनुवाद बड़ी कुशलता पूर्वक किया है। श्रीमद् भागवत गीता और प्रभु श्री कृष्ण जी की महिमा एवम् महत्ता का वर्णन श्रद्धा एवम् भक्ति से उर्दू कविताओं में प्रस्तुत करने वाले कवियों में विशेष रूप से नज़ीर अकबराबादी,भ भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मोहसिन काकोरवी, हसरत मोहानी, हफ़ीज़ जालंधरी, फ़िराक़ गोरखपुरी, ख़्वाजा दिल मोहम्मद, सागर निज़ामी, रईस पानीपती, सीमाब अकबराबादी, चंद्र भान कैफ़ी देहलवी, शान उल हक़ हक़ी निदा फाजिली, अनवर जलालपुरी, बिस्मिल इलाहाबादी और जाफर रज़ा इत्यादि ।

नज़ीर अकबराबादी को उर्दू भाषा में कविता का जन्मदाता कहा जाता है। नज़ीर पूर्णतः भारतीय कवि है जिसने भारत की धार्मिक एवम् सांस्कृतिक, और भारतीय जीवन शैली एवम् भारतीय दर्शन को अपनी उर्दू कविताओं में प्रमुखता से प्रस्तुत किया है। नज़ीर अकबराबादी भारत के धर्म एवम् संस्कृति के ध्वजवाहक हैं। भगवान श्री कृष्ण जी की भक्ति से ओतप्रोत उन्होंने प्रचुर मात्रा में कविताएँ लिखी हैं। जन्म कन्हैया जी, बालपन बांसुरी बजैया का, खेलकूद कन्हैया जी का, कन्हैया जी की रास और ब्याह कन्हैया जी का इत्यादि कविताओं में नज़ीर अकबराबादी की भगवान श्री कृष्ण जी से सच्ची भक्ति एवम् श्रद्धा देखी जा सकती है।

भगवान श्री कृष्ण जी के बचपन और रास लीलाओं की जीती जागती तस्वीर उन्होंने अपनी कविता बालपन बांसुरी बजैया का में बड़ी कुशलता और सफलता के साथ प्रस्तुत किया है। इस संदर्भ में उनकी कविता बालपन बांसुरी बजैया का से कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैंरू

उनको तो बालपन से न था कम कुछ ज़रा।
संसार की जो रीत थी उसको रखा बजा।।
मालिक थे वो तो आप ही उन्हें बालपन से क्या।
वाँ बालपन, जवानी, बुढ़ापा, सब एक था।।
ऐसा था बांसुरी के बजैया का बालपन।
क्या क्या कहूँ मैं किशन कन्हैया का बालपन।।
बाले हो बृजराज जो दुनिया में आ गए।
लीला के लाख रंग तमाशे दिखा गए।।
इस बालपन के रूप में कितनों को भा गए।
इक ये भी लहर थी कि जहाँ में को जता गए।।
ऐसा था बांसुरी के बजैया का बालपन।
क्या क्या कहूँ मैं किशन कन्हैया का बालपन।।

आधुनिक हिंदी गद्य के जन्मदाता पंडित भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने अपने लेखन का प्रारंभ उर्दू ग़ज़ल से किया। साहित्य अकादमी नई दिल्ली ने उनकी गजलों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया है। उर्दू में उन्होंने रसा के नाम से ग़ज़लें लिखी हैं लेकिन तथाकथित मुस्लिम साहित्यकारों ने उनकी उत्कृष्ट ग़ज़लों को प्रोत्साहित नहीं किया। जिसका परिणाम यह हुआ कि उन्होंने उर्दू दुनिया को छोड़कर हिंदी गद्य लेखन में अपना कार्य प्रारंभ किया और वर्तमान में वह आधुनिक हिंदी गद्य के जन्मदाता कहे जाते हैं। भगवान श्री कृष्ण से उनकी भक्ति एवम् श्रद्धा के रंग में रंगा हुआ यह दो पंक्तियां उद्धृत हैंरू

जहाँ देखो वहाँ मौजूद मेरा कृष्ण प्यारा है।
उसी का सबसे जलवा जो जहाँ में आशकारा है।।

हसरत मोहानी भगवान श्री कृष्ण जी के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व से प्रभावित दिखाई देते हैं। लीलाधारी प्रभु श्री कृष्ण के प्रेम रस में हसरत मोहानी सराबोर नज़र आते हैं। निम्नलिखित पंक्तियां उनकी सच्ची श्रद्धा एवम् भक्ति को प्रस्तुत करते हैंरू

हसरत की भी क़बूल हो मथुरा में हाज़िरी।
सुनते हैं आशिक़ों पे तुम्हारा करम है आज।।
प्याम ए हयात जावेदाँ था ।
हर नग़मा कृष्ण बांसुरी का।।

सीमाब अकबराबादी को भगवान श्री कृष्ण से अगाध प्रेम था। उन्होंने अपनी कविता श्री कृष्ण में लीलाधारी श्री कृष्ण के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व और उनके दार्शनिक सिद्धांतों को अपनी कविता में प्रस्तुत किया है। इस कविता में उन्होंने भगवान श्री कृष्ण जी को हिन्दुस्तान का पैगंबर स्वीकार किया है और उन्होंने इस कविता में विशेष रूप से इस बात पर बल प्रदान किया है कि भगवान श्री कृष्ण जी का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रेम रस का संचार करना था। इस संदर्भ में उनकी दो पंक्तियां उद्धृत हैंरू

दिलों में रंग मोहब्बत का उस्तवार किया।
स्वाद ए हिंद को गीता से नग़मा बार किया।।

फ़िराक़ गोरखपुरी ने अपनी कविताओं में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति एवम् श्रद्धा में गीत गाये हैं। कारागार में श्री कृष्ण जन्म के बाद वसुदेव जी का गोकुल में नंद जी के यहाँ काली रात में श्री कृष्ण को ले जाने की अद्भुत झांकी फ़िराक़ गोरखपुरी ने अपनी कविता में प्रस्तुत की है।फ़िराक़ गोरखपुरी का कृष्ण की भक्ति एवम् श्रद्धा में डूबी हुई दो पंक्तियां उद्धृत हैंरू

वो रातों रात श्री कृष्ण को उठाए हुए।
बला की क़ैद से वसुदेव का निकल जाना।।

फ़िराक़ गोरखपुरी ने राधा के अपार सौंदर्य को अपनी कविता का विषय बनाया है। प्रातःकाल राधा के सो कर उठने के मनोरम दृश्य को फ़िराक़ गोरखपुरी ने अपनी रुबाई में बड़ी कुशलता पूर्वक प्रस्तुत किया है। जिसमें भारतीय नारी का सौंदर्य उभरकर हमारे सामने आता है।इस संदर्भ में उनकी दो रुबाइयां प्रस्तुत हैंरू

जब पिछले पहर प्रेम की दुनिया सो ली।
कलियों की गिरह पहली किरन ने खोली।।
जोबन रस छलकाती उठी चंचल नार।
राधा गोकुल में जैसे खेले होली।।
मधुबन में बसंत सा सजीला है वो रूप।
बरखा की तरह रसीला है वो रूप।।
राधा की झपक कृष्ण की बरजोरी है।
गोकुल नगरी की रासलीला है वो रूप।।

रईस पानीपती ने भगवान श्री कृष्ण जी की भक्ति एवम् श्रद्धा से ओतप्रोत कविताऐं लिखी हैं। उन्होंने अपनी कविताओं के माध्यम में प्रभु श्री कृष्ण के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए हैं। रईस पानीपती का श्री कृष्ण के भक्ति रस में डूबा हुआ एक छंद उद्धृत हैः

एक प्रेम पुजारी आया है चरणों में ध्यान लगाने को।
भगवान तुम्हारी सूरत पर श्रद्धा के फूल चढ़ाने को।।
उपदेश धरम का देकर फिर बलवान बना दो भक्तों को।
ऐ मोहन जल्द जुबाँ खोलो गीता का राज़ बताने को।।

चर्ख चिनौटी ने अपनी कविताओं के माध्यम से प्रभु श्री कृष्ण की महिमा का गुणगान उर्दू शाइरी में बड़ी निपुणता और सफलता के साथ किया है। ये दो पंक्तियां कवि की भगवान श्री कृष्ण की प्रेम, श्रद्धा एवम् भक्ति को उजागर करता हैरू

मेरी दुनिया संवार दी उसने।
मेरी रूहे रवाँ है मेरा कृष्ण।।

शाहनामा इस्लाम के रचयिता हफ़ीज़ जालंधरी ने भगवान श्री कृष्ण की महिमा के गीत बड़े आनबान और शान के साथ गाया है। भगवान श्री कृष्ण जी से हफ़ीज़ जालंधरी की सच्ची निष्ठा, प्रेम और भक्ति का अनूठा और अनमोल उदाहरण उनकी कविताओं में देखा जा सकता है। इस संदर्भ में हफ़ीज़ जालंधरी की कविता कृष्ण कन्हैया की कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैं:

ऐ देखने वालों
उस हुस्न को देखो
उस राज को समझो
यह पैकर ए तनवीर
यह कृष्ण की तस्वीर
माइनी है कि सूरत
सनअत है कि फ़ितरत
ज़ाहिर है कि मस्तूर
नज़दीक है कि दूर
यह नार है या नूर
दुनिया से निराला
यह बाँसुरी वाला
गोकुल का ग्वाला
है सहर कि एजाज़
क्या शान है वा अल्लाह
क्या आन है वा अल्लाह

सागर निज़ामी की कविता पनघट की रानी में भगवान श्री कृष्ण की महिमा और भक्ति विशेष रूप से दिखाई पड़ती है। कवि ने अपने सारगर्भित विचारों की अभिव्यक्ति इस कविता में बड़ी कुशलता और सफलता के साथ प्रस्तुत किया है। राधा के पनघट पर जाने और श्री कृष्ण जी के मुरली के जादू की छवि को बड़ी खूबसूरती के साथ वर्णित किया है। सागर निज़ामी की चर्चित कविता पनघट की रानी के कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैंरू

रग रग जिसकी है बाजा नस नस ज़ंजीर।
कृष्ण मुरारी की बंसी है या अर्जुन का तीर।।
सर से पा तक शोखी की वो इक रंगीं तस्वीर।
पनघट व्याकुल जिसकी ख़ातिर चंचल जमुना नीर।।
जिस का रास्ता टुक टुक देखे सूरज सा रहगीर ।
आई पनघट की देवी वो पनघट की रानी।।

उर्दू साहित्य के प्रतिष्ठित कवि मोहसिन काकोरवी भी प्रभु श्री कृष्ण जी के प्रति निष्ठा, भक्ति एवम् श्रद्धा में डूबे हुए नज़र आते हैं। उन्होंने अपनी कविता में श्री कृष्ण जी की महिमा और भक्ति के गीत बड़ी निपुणता और सफलता के साथ गाये हैं। भगवान श्री कृष्ण जी की महिमा का बखान करते हुए मोहसिन काकोरवी ने लिखा हैरू

सिम्त काशी से चला जानिबे मथुरा बादल।
तैरता है कभी गंगा कभी जमुना जल।।
देखिये होगा श्री कृष्ण का क्यों कर दर्शन।
सीना ए तंग में दिल गोपियों का है व्याकुल।।
सिम्त काशी से गया जानिबे मथुरा बादल।
बृज में आज श्री कृष्ण है काला बादल।।
खूब छाया है सर ए गोकुल व मथुरा बादल।
रंग में आज कन्हैया के है डूबा बादल।।
राजा इंद्र है परी खान ए मय का पानी।
नग़म ए मय का सर ए किशन कन्हैया बादल।।

सुखदेव प्रसाद सिन्हा बिस्मिल इलाहाबादी ने लीलाधारी श्री कृष्ण के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व का वर्णन अपनी कविता श्री कृष्णा में बड़ी कुशलता एवम् सफलता पूर्वक प्रस्तुत किया है।20 अगस्त 1947 को श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बिस्मिल इलाहाबादी ने इस कविता को इलाहाबाद के एक कार्यक्रम में पढ़ी थी। उस कार्यक्रम की अध्यक्षता इलाहाबाद के तत्कालीन कमिश्नर कुँअर महराज सिंह ने किया था। बिस्मिल इलाहाबादी ने अपनी कविता श्री कृष्णा में अपने सारगर्भित विचारों और हृदय के उदगार को बड़ी खूबसूरती के साथ व्यक्त किया है। बिस्मिल इलाहाबादी की कविता श्री कृष्णा की कुछ पंक्तियां उद्धृत हैंरू

यह वो शब है जो नसीहत है ज़माने के लिए।
यह वो शब है जो इबादत है ज़माने के लिए।।
आज की रात सिया बख्त हमारा चकमा।
आज की रात उम्मीदों का सितारा चमका।।
लिया मथुरा में जनम जा के रहा गोकुल में।
पाँव के रखते ही अमृत मिला जमुना जल में।।
वो कन्हैया वो मेरे दिल को लुभाने वाला।
वो ज़माने में नए रूप से आने वाला।।
वो भजन नग़म ए इल्हाम बताने वाला।
वो बड़े प्रेम से बंसी को बजाने वाला।।
ज्ञान की राह ज़माने को दिखाई तूने।
प्रेम क्या चीज़ है ये बात बताई तूने।।
अपनी कूवत को बड़े जोश में लाने वाला।
उंगलियों पर वो गोवर्धन को उठाने वाला।।
वो सुदामा की ग़रीबी को मिटाने वाला।
काम संकट में हर इक शख़्स के आने वाला।।
कौरवों का वो गुरूर और निशाँ तक न बचा।
रण में सब क़त्ल हुए एक जवाँ तक न बचा।।
ग़ौर से देखें ज़रा लोग तमाशा क्या है।
तूने गीता में बताया है कि दुनिया क्या है।।
न हुआ है न कोई होगा तिरा सानी भी।
ऐसा योगी भी कहीं ऐसा कहीं ज्ञानी भी।।

निदा फ़ाज़ली भी लीलाधारी प्रभु श्री कृष्ण के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व से प्रभावित दिखाई देते हैं। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण की महिमा का गुणगान अपनी ग़ज़लों में किया है। भगवान श्री कृष्ण जी की महिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने लिखा है किरू

वृंदावन के कृष्ण कन्हैया अल्लाह हू।
बंसी राधा गीता ज्ञान अल्लाह हू।।

जाफ़र रज़ा का मानना है कि राम और रहीम के दरमियान फ़र्क़ करना उचित नहीं है क्योंकि दोनों वास्तविक रूप से एक हैं। इसी विचार को उन्होंने अपने एक दोहे में वर्णित किया है। सभी लोग जानते हैं कि इस्लाम धर्म के मानने वाले लोग जब लेखन का कार्य प्रारंभ करते हैं तो सबसे ध के स्थान पर 786 लिखते हैं क्योंकि बिस्मिल्ला उल रहमान उल रहीम के सभी वर्णों का योग 786 होता है। जाफ़र रज़ा ने यह बताने का प्रयास किया है कि हरे कृष्ण के वर्णो के योग की संख्या भी 786 होती है। इस संदर्भ में उनका यह दोहा उद्धृत है–

सात सौ छियासी में राम और रहीम मिल जाएं।
बिस्मिल्लाह के वही आदाद हरे कृष्णा में आयें।।

जाफ़र रज़ा ने एक पंक्ति लिखा कि अब दिल में बसा के रखिए एक साँवली मूरत को। साँवली मूरत भगवान श्री कृष्ण के मोहनी सूरत की याद दिलाता है।

भगवान श्री कृष्ण जाफ़र रज़ा को अतिप्रिय थे। उनकी श्री कृष्ण भक्ति में रचा हुआ यह दोहा प्रस्तुत हैरू

कृष्ण की बंसी में जादू है कोई राधा हो।
मौज रफ़्तार लचक जायेगी पायल ही नहीं।।

अनवर जलालपुरी द्वारा रचित उर्दू शाइरी में गीता एक महत्वपूर्ण कृति है जिसमें कवि ने श्रीमद् भगवत गीता के अठारह अध्याय के सात सौ श्लोक का पद्यानुवाद सात सौ अशआर में बड़ी कुशलता और सफलता पूर्वक किया है। श्रीमद् भगवत गीता के प्रथम अध्याय का अनुवाद करते हुए उन्होंने लिखा है किरू

कहानी तो संजय सुनाता रहा।
है मैदां क्या बताता रहा।।
वो मैदां जो था जंग ही के लिए।
वहीं से जले धरम के भी दिए।।
धृतराष्ट्र आँखों से महरूम थे।
मगर ये न समझो कि मासूम थे।।

श्रीमद् भगवत गीता के सात सौ श्लोक का उर्दू शाइरी में पद्यानुवाद करना एक मुश्किल कार्य है लेकिन अनवर जलालपुरी ने जिस खूबसूरत और उत्कृष्ट शैली में सफलता एवम् कुशलता पूर्वक अनुवाद छंदबद्ध किया है वह प्रशंसनीय है। कुरुक्षेत्र के मैदान में प्रभु श्री कृष्ण और अर्जुन के संवाद को अनवर जलालपुरी ने बड़ी निपुणता के साथ प्रस्तुत किया है। इस संदर्भ में कुछ पंक्तियां प्रस्तुत हैंरू

ये सुन सुन कर अर्जुन भी बेचौन था।
सवाल उसने केशव से ही कर दिया।।
बताएं मुझे कौन है मुतमईन।
मेरे वास्ते है समझना कठिन।।
किसे ज्ञान और ध्यान वाला कहूँ।
हक़ीक़त समझ कर मैं किसकी सुनूँ।।
मुकम्मल उन्हें देखा है मुझे।
वो क्या हैं उन्हें जानना है मुझे।।

इस प्रकार हम देखते हैं कि उर्दू साहित्य में बहुत बड़ी संख्या में उर्दू के कवियों ने लीलाधारी प्रभु श्री कृष्ण के व्यक्तित्व एवम् कृतित्व को अपनी कविताओं में बड़ी कुशलता और सफलता पूर्वक वर्धित किया है और उनकी महिमा एवम् भक्ति के गीतों का गुणगान किया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आज इक्कीसवीं सदी की तीसरी दहाई में जब राजनीतिज्ञों ने भाषा एवम् धर्म का सहारा लेकर भारत की धार्मिक एवम् सांस्कृतिक संप्रभुता, अखंडता और आपसी सौहार्द्र का वातावरण को धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं तो ऐसी परिस्थिति और वातावरण में मुस्लिम साहित्यकारों ने हिन्दुओं के धार्मिक ग्रंथों का जो अनुवाद उर्दू भाषा किया है उसकी अर्थवत्ता,मूल्यवत्ता, उपयोगिता और उपादेयता काफ़ी हद तक बढ़ जाती है। इस प्रकार अगर यह कहा जाए कि भारत की गंगा यमुना साझा संस्कृति को आगे बढ़ाने में इन साहित्यकारों एक अद्वितीय और महान कार्य किया है तो शायद ग़लत नहीं होगा।

1278/1 मालवीय नगर,
इलाहाबाद –211003
(M) 9451762890

ओ नंद लाल... अरे ओ छलिया...

लल्ला, नंद लाल नटखट, शैतान, छलिया, मेरा गोपाल, मेरा कान्हा, अरे ओ मुरलीधर ये सब नाम थोड़े हैं , ये वो सम्बोधन हैं, अंतर्मन की वो पुकार है , दुलार में भीगे, मोह में आकंठ डूबे हमारे वो एहसास हैं जो बरबस ही ऐसे छलक पड़ते हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी याने हम सब के प्यारे –दुलारे कान्हा का जन्म दिन। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्मी तिथि जिसे हम कृष्ण जन्माष्टमी याने एक उत्सव के रूप में मनाते हैं। यह हमारी आस्था, प्रेम और लोकमंगल का पर्व है।

भारतीय संस्कृति में त्योहार केवल उत्सव नहीं होते, वे हमारी जीवन–दृष्टि, आस्था और सांस्कृतिक चेतना के वाहक भी हैं। कृष्ण जन्माष्टमी ऐसा ही एक पर्व है, जो भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के साथ–साथ उनके बहुआयामी व्यक्तित्व और जीवन–संदेश को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। यह पर्व भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक भागों में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है।

श्रीकृष्ण का जन्म अत्याचार और अन्याय के दौर में हुआ। मथुरा के कारागार में देवकी और वसुदेव के पुत्र के रूप में उनका अवतरण उस समय हुआ, जब कंस के अत्याचार से प्रजा त्रस्त थी। कृष्ण का जीवन इस अर्थ में विशेष है कि वे केवल धार्मिक आस्था के केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन में धर्म, नीति, प्रेम, करुणा, साहस और लोकमंगल के प्रतीक भी हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी की रात हमारे मंदिरों और घरों में विशेष पूजा–अर्चना की जाती है। भक्त मध्यरात्रि तक भगवान के जन्म की प्रतीक्षा करते हैं और बारह बजे बालकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाते हैं। झाँकियाँ सजाई जाती हैं, भजन–कीर्तन होते हैं और बालगोपाल को झूला झुलाया जाता है। अनेक स्थानों पर दही–हांडी और मटकी–फोड़ जैसे लोक उत्सव भी होते हैं। इन परंपराओं में कृष्ण के बालरूप की चंचलता और जनजीवन से उनके गहरे जुड़ाव की झलक दिखाई देती है। कृष्ण का व्यक्तित्व जितना विराट है, उतना ही मानवीय भी। वे माखनचोर बालक हैं तो गोपियों के प्रिय सखा भी हैं। वे राधा के प्रेम में दिखाई देते हैं तो अर्जुन के सारथी बनकर कर्तव्य और कर्म का मार्ग भी बताते हैं। वे वृंदावन की बांसुरी हैं तो कुरुक्षेत्र में गीता का गंभीर दर्शन भी। उनके व्यक्तित्व की यही विविधता उन्हें भारतीय संस्कृति का अत्यंत लोकप्रिय और जीवंत चरित्र बनाती है।

श्रीकृष्ण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश कर्म और कर्तव्य का है। भगवद्गीता में वे अर्जुन को कर्म करने और उसके फल के प्रति आसक्ति छोड़ने को प्रेरित करते हैं और उनका यह संदेश आज भी कितना प्रासंगिक है। देखिए, आधुनिक जीवन में भी मनुष्य अनेक प्रकार के तनाव, असमंजस और चुनौतियों से घिरा क्या करें, क्या न करें की दुविधा में फंसा रहता है। कृष्ण हमें सिखाते हैं कि कठिन परिस्थितियों से पलायन करने के बजाय विवेक, साहस और कर्तव्यबोध के साथ उनका सामना करना चाहिए।

कृष्ण का जीवन हमें यह भी बताता है कि धर्म का अर्थ केवल कर्मकांड नहीं है। धर्म का वास्तविक अर्थ न्याय, सत्य, कर्तव्य और लोककल्याण की रक्षा करना है। जब अन्याय बढ़ता है, तब उसके विरुद्ध खड़ा होना भी धर्म है। इसी कारण कृष्ण भारतीय मानस में अन्याय के प्रतिरोध और धर्म की स्थापना के प्रतीक बने हुए हैं।

कृष्ण जन्माष्टमी का सांस्कृतिक पक्ष भी अत्यंत समृद्ध है। ब्रज क्षेत्र, मथुरा, वृंदावन, गोकुल और बरसान में यह विशेष पर्व उत्साह से मनाया जाता है। लोकगीत, रासलीला, नृत्य, संगीत और झाँकियाँ कृष्ण की कथा को पीढ़ी–दर–पीढ़ी जीवंत बनाए हुए हैं। भारत की विविध भाषाओं और लोक परंपराओं ने कृष्ण को अपने–अपने ढंग से अपनाया है। इसीलिए कृष्ण केवल किसी एक क्षेत्र या समुदाय के आराध्य नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक चेतना के व्यापक प्रतीक बन गए हैं।

आज जब समाज में तनाव, असहिष्णुता और आपसी दूरी बढ़ती दिखाई देती है, कृष्ण जन्माष्टमी हमें प्रेम, संवाद, करुणा और समन्वय का संदेश देती है। कृष्ण का जीवन हमें सिखाता है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, विवेक और सकारात्मक कर्म से उनका सामना किया जा सकता है।

अतः कृष्ण जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं, बल्कि अंधकार पर प्रकाश, अन्याय पर न्याय, निराशा पर आशा और अहंकार पर विवेक की विजय का पर्व है। यदि हम कृष्ण के जीवन और गीता के संदेश को केवल पूजा कर्म तक सीमित न रखकर अपने आचरण में उतार सकें, तो यही इस पावन पर्व की सार्थक उपासना होगी। धर्म की पुनर्स्थापना और अधर्म का नाश होगा । विवेक जागृत हो सकेगा और हम इस कलयुग को भी कुछ कृष्ण की मोहक लीलाओं सा सुंदर और जीवन जीने के अनुकूल बना सकेंगे।

जय कन्हैया लाल की.....

संगीता 'सुमन'

बिहार के भोजपुर में बाढ़ पीड़ितों की तरफ पावर स्टार ने बढ़ाया मदद का हाथ, मुख्यमंत्री से की अपील

बिहार पर बाढ़ का संकट गहराया हुआ है। भोजपुर के पिपरपाती, आरा समेत कई इलाकों में बाढ़ और कटाव का कहर है। बाढ़ प्रभावित इलाकों की तस्वीरें देख भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह का दिल दहल गया है। उन्होंने पीड़ितों की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। साथ ही बिहार के मुख्यमत्री से भी रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने का आग्रह किया है। पवन सिंह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की तस्वीरें साझा की हैं। इसके साथ एक लंबा नोट लिखा है। पावर स्टार ने लिखा है, शपिपरपाती, आरा समेत भोजपुर के अलग–अलग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से आ रही तस्वीरें और लोगों की तकलीफ देखकर मन बेहद दुखी है। कहीं घरों में पानी घुस गया है, कहीं परिवार अपने ही घर में कैद होकर रह गए हैं, तो कहीं बाढ़ और कटान के कारण लोगों के सिर से छत और पैरों के नीचे की जमीन तक छिनने का डर बना हुआ है। जिन परिवारों ने वर्षों की मेहनत से अपना घर और संसार बसाया, आज वही सब कुछ आंखों के सामने संकट में है। पवन सिंह ने आगे लिखा है, यह समय सिर्फ चिंता जताने का नहीं, मदद के लिए खड़े होने का है। मैं अपने पिपरपाती और आरा सहित सभी बाढ़ पीड़ित भाई–बहनों के साथ हूं। बहुत जल्द आपके बीच आकर आपकी तकलीफ को करीब से देखने और हर संभव

> “
> विजय से हटकर रश्मिका की मेहंदी ड्रेस की बात करें तो उनके दुपट्टे में मां लक्ष्मी का चित्र बना है। भारतीय परिवारों में नई दुल्हन को मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। मां लक्ष्मी का आशीर्वाद रश्मिका को मिले, इसलिए डिजाइनर ने सुंदर चित्र उनके दुपट्टे पर बनाया है।

सेवा–सहयोग करने का प्रयास करूंगा। पवन सिंह ने आगे लिखा है, श्हमारे बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से विनम्र निवेदन है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर तेज किया जाए। जरूरतमंद परिवारों तक भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और जरूरी राहत सामग्री पहुंचाई जाए। लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त नाव और अन्य संसाधनों की व्यवस्था हो। साथ ही जहां कटान का खतरा है, वहां तत्काल बचाव के ठोस इंतजाम किए जाएं, ताकि किसी परिवार का घर और जमीन तबाही की भेंट न चढ़े। भोजपुरी अभिनेता ने लिखा है, मुश्किल की इस घड़ी में कोई परिवार खुद को अकेला महसूस न करे। आपका दर्द हमारा दर्द है, आपकी चिंता हमारी चिंता है। ईश्वर से प्रार्थना है कि बाढ़ और कटान से प्रभावित हर परिवार सुरक्षित रहे, किसी के घर का चिराग न बुझे और जल्द ही सभी के जीवन में फिर से सुकून लौटे। सेवा भी करेंगे, सहयोग भी करेंगे और आवाज भी उठाएंगे। आपका अपना बेटा भाई पवन।

एलियन–सर्वाइवल थ्रिलर ‘समुक’ को लेकर बोले विपुल शाह, हमने कभी एक ही फिल्म दोबारा बनाने की कोशिश नहीं की

अक्षय कुमार ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म ‘समुक’ की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही यह फिल्म एक सर्वाइवल–एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह हैं, जबकि आशिन ए. शाह इसके को–प्रोड्यूसर हैं। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को एक ग्रैंड पैन–इंडियन थिएट्रिकल रिलीज के लिए तैयार कर रहे हैं। ‘समुक’ को लेकर पिछले दो साल से ज्यादा समय से काम चल रहा है। फिल्म में मिलिट्री रियलिज्म, सर्वाइवल हॉरर और एलियन मिथोलॉजी का अनोखा मेल देखने को मिलेगा। इस अलग और महत्वाकांक्षी दुनिया को बड़े पर्दे पर विश्वसनीय तरीके से पेश करने के लिए मेकर्स ने इंटरनेशनल लेवल के टैलेंट को भी टीम में शामिल किया है।फिल्म के सेंट्रल मॉन्स्टर को डिजाइन करने की जिम्मेदारी एकेडमी अवॉर्ड नॉमिनेटेड क्रिएचर डिजाइनर एलेक गिलिस को दी गई है, जो ‘एलियन’ और ‘प्रिडेटर’ जैसी चर्चित फिल्मों पर काम कर चुके हैं। वहीं, ब्रिटिश एक्शन डायरेक्टर ल्यूक टम्बर फिल्म के हाई–ऑक्टेन और इंटेंस एक्शन सीक्वेंस तैयार करेंगे। इस इंटरनेशनल टीम के साथ ‘समुक’ को भारतीय सिनेमा में एक अलग तरह का साइंस–फिक्शन और सर्वाइवल एक्सपीरियंस बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।‘समुक’ अक्षय कुमार और विपुल अमृतलाल शाह की लंबे समय से चली आ रही क्रिएटिव पार्टनरशिप का एक और नया पड़ाव है। दोनों इससे पहले कई अलग–अलग जॉनर की फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। खास बात यह है कि उनकी फिल्मों में एक ही तरह के फॉर्मूले को दोहराने के बजाय अलग–अलग विषयों और शैलियों को आजमाने की कोशिश नजर आई है। इसी क्रिएटिव सोच के बारे में बात करते हुए विपुल अमृतलाल शाह ने कहा कि दोनों बार–बार इसलिए साथ आते हैं क्योंकि उन्होंने कभी एक जैसी फिल्म बनाने की कोशिश नहीं की। विपुल अमृतलाल शाह ने कहा, ”अक्षय और मैं बार–बार इसलिए साथ आते हैं क्योंकि हमने कभी एक ही फिल्म दोबारा बनाने की कोशिश नहीं की। हर बार साथ काम करने का हमारा मकसद अपने ही बनाए फॉर्मूले को तोड़ना रहा है।”उन्होंने अपनी पिछली फिल्मों का उदाहरण देते हुए बताया कि ‘आंखें’ में हीस्ट थ्रिलर, ‘वक्त’ में इमोशनल ड्रामा, ‘नमस्ते लंदन’ में रोमांस, ‘सिंह इज किंग’ में एक्शन–कॉमेडी, ‘एक्शन रिप्ले’ में साइंस–फिक्शन और ‘हॉलिडे’ में मिलिट्री एक्शन जैसे अलग–अलग जॉनर को एक्सप्लोर किया गया।विपुल शाह के मुताबिक, ”हम लगातार एक–दूसरे को ऐसी चीजें करने के लिए चौलेंज करते हैं, जिन्हें पहले एक्सप्लोर नहीं किया गया। ‘समुक’ के साथ फिर से साथ आना, जो एक एलियन–सर्वाइवल थ्रिलर है, एक बार फिर साबित करता है कि हम हमेशा कुछ अलग लेकर आते हैं।”’समुक’ के साथ अक्षय कुमार और विपुल शाह की जोड़ी अपने पिछले काम से आगे बढ़ते हुए एक बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया पेश करने की तैयारी में है। फिल्म में एक बड़े फिल्म स्टार की मौजूदगी के साथ इंटरनेशनल स्तर का क्रिएचर डिजाइन और प्रैक्टिकल एक्शन देखने को मिलेगा।मेकर्स का लक्ष्य ऐसी कहानी को बड़े पर्दे पर पेश करना है, जिसमें सर्वाइवल का रोमांच, एलियन मिथोलॉजी और ग्राउंडेड मिलिट्री रियलिज्म एक साथ नजर आए। फिल्म के जरिए भारतीय साइंस–फिक्शन एक्शन को एक नए स्तर पर ले जाने की कोशिश की जा रही है। अक्षय कुमार की लोकप्रियता और विपुल अमृतलाल शाह के अलग तरह की कहानियों के साथ प्रयोग करने के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए ‘समुक’ को लेकर दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही काफी बढ़ गई हैं।

असीम रियाज पर विशाल आदित्य सिंह का पलटवार, बोलें- 100 प्रतिशत बकवास टैलेंट... शांत रहो और बोलो जय श्री राम

एक्टर विशाल आदित्य सिंह ने सोशल मीडिया पर असीम रियाज के सीधे हमले का जवाब दिया है। बिना लाग–लपेट के, विशाल ने बिग बॉस के पूर्व कंटेस्टेंट से शांत रहने और जय श्री राम कहने को कहा। विशाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई पोस्ट शेयर किए जो जाहिर तौर पर असीम पर निशाना साधते हुए थे। उनमें से एक में उन्होंने लिखा, एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट, बस यही आपकी पहचान है और आप यहीं तक सीमित रह जाएंगे। तो असीम भाई, प्लीज शांत रहो और बोलो जय श्री राम। एक और पोस्ट में, विशाल ने असीम की मानसिक स्थिति पर तंज कसते हुए लिखा, साइकियाट्रिस्ट का नंबर जरूर भेज देना। मैं तुम्हें सुरेश वाडकर म्यूजिक स्कूल का नंबर और उसके साथ एक जिम का कूपन भी भेजता हूं। उन्होंने एक और तंज के साथ अपनी बात जारी रखी और लिखा– भाई, इंजेक्शन इससे सिर्फ बॉडी बनती है। दिमाग के लिए भी कुछ देखो। विशाल के ये पोस्ट तब आए जब असीम ने एक्स पर सीधे तौर पर उन पर निशाना साधा। विशाल को जवाब देते हुए असीम ने लिखा, विशाल, नेशनल टीवी पर अपनी एक्स गर्लफ्रेंड से पैन (चंद) से पिटने की वजह से तुम्हें कुछ पक्का नुकसान पहुंचा है। हर जगह मेरा नाम लेना बंद करो। अगर तुम्हें मेरा ध्यान चाहिए, तो पॉडकास्ट और मीडिया में घटिया हरकतें करने के बजाय मुझे डीएम करो। चिंता मत करो, मैं तुम्हारे लिए साइकियाट्रिस्ट ढूंढने की पूरी कोशिश करूंगा। असीम हाल ही में पॉडकास्ट और मीडिया में अपने बारे में की गई टिप्पणियों पर भी खुलकर बोल चुके हैं। रुबीना दिलैक और हिना खान के साथ एक पॉडकास्ट चर्चा के बाद, जिसमें रियलिटी शो में आरपी लाने के उनके दावों पर बात हुई थी, उन्होंने ज्ट इंडस्ट्री की आंटियों और अंकलों पर परोक्ष रूप से तंज कसा। इन टिप्पणियों का जवाब देते हुए असीम ने लिखा, मैंने एक पॉडकास्ट का क्लिप देखा जिसमें टीवी इंडस्ट्री की ये आंटियां और अंकल इस बारे में बात कर रहे थे कि मैं जिस भी रियलिटी शो में जाता हूं, उसमें टीआरपी कैसे लाता हूं। तो, इसका जवाब है हां, मैं ऐसा करता हूं। आपके करियर के लिए शुभकामनाएं और इंडस्ट्री में अपने रोल निभाते रहिए और कठपुतली बने रहिए।

तापसी पन्नू की ‘गांधारी’ देख क्या बोले नेटिजंस?

फिल्म गांधारी की काफी चर्चा हो रही थी। आज गुरुवार को फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो गई है। देवाशीष मखीजा निर्देशित फिल्म में तापसी के अलावा इश्वाक सिंह, स्वास्तिका मुखर्जी, छाया कदम और जतिन सरना जैसे सितारे भी हैं। तापसी मां की भूमिका में नजर आई हैं। दर्शकों को फिल्म कैसी लगी? फिल्म गांधारी को लेकर मिलीजुली प्रतिक्रिया सामने आई है। अधिकांश यूजर्स के शुरुआती रिएक्शन देखकर लग रहा है कि फिल्म दर्शकों पर ज्यादा असर नहीं कर पाई है। एक यूजर ने लिखा है, छाया कदम (उमा) और चंदन रॉय (सोमेश) अधिक स्क्रीन टाइम के हकदार थे। प्रशांत नारायणन और स्वस्तिका मुखर्जी भी निष्पक्ष हैं। प्रीति श्रॉफ (एएसआई संजुक्ता) एक बेहतरीन खोज हैं। कुछ दर्शकों का अनुभव इतना खराब रहा कि उन्होंने इसे समय बर्बाद फिल्म तक कह डाला है। फिल्म का स्क्रीनप्ले उन्हें पसंद नहीं आया है। ऐसे ही एक यूजर ने लिखा है, फिल्म बनाने वालों ने इसके नाम को कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया और इस पटकथा (स्क्रीनप्ले) को मंजूरी देते समय आंखें बंद कर लीं। एक यूजर ने फिल्म देखकर हुए खराब अनुभव के बाद नेटफ्लिक्स पर निशाना साधा है। लिखा है, श्किसी को नेटफ्लिक्स के अधिकारियों का इंटरव्यू लेना चाहिए और वह असली मिलियन–डॉलर सवाल पूछना चाहिए कि कुछ प्रोड्यूसर्स का आप पर किस तरह का रहस्यमयी, काला जादू चलता है? क्योंकि एक के बाद एक फ्लॉप फिल्में देने के बावजूद बड़े नए प्रोजेक्ट्स के लिए मंजूरी मिलना एक चमत्कार है। इस फिल्म में बानी (तापसी पन्नू) की छह साल की बेटी का अपहरण हो जाता है। रेलवे स्टेशन पर बच्ची को लेकर भाग रही महिला का पीछा करते हुए बानी पर हमला होता है।

आंखों की ये परेशानियां बताती हैं बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के लक्षण, आज से डाइट में करें ये बदलाव

कोलेस्ट्रॉल एक प्रकार का वसा है, जो हमारे शरीर के लिए जरूरी होता है। लेकिन ज्यादा मात्रा में कोलेस्ट्रॉल हमारे शरीर के लिए हानिकारक होता है। बता दें कि यह खून में पाया जाता है। लेकिन जब यह हमारे शरीर में अधिक मात्रा में होता है, तो यह आंखों में भी जमा हो सकता है। जिसके कारण हमारी आंखों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कोलेस्ट्रॉल की बढ़ती मात्रा से आंखों में होने वाली समस्या, लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं।

कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने का मुख्य कारण

खाद्य संप्रेषण

उच्च कोलेस्ट्रॉल युक्त आहार खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ सकती है। जब अधिक मात्रा में जंक फूड, प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ, गहरी तली हुई चीजों का सेवन किया जाता है। तो इससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ जाती है।

अनहेल्दी खानपान

असमय और अनहेल्दी खाना, तंबाकू का सेवन, शराब का अधिक सेवन करना भी आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ाता है। साथ ही यह आंखों में भी जमा हो सकता है।

अनहेल्दी लाइफस्टाइल

अधिकतर समय बैठे रहना, एक्सरसाइज आदि ना करना, ओवरवर्क आदि भी कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ा सकता है।

उम्र

बढ़ती उम्र के साथ भी लोगों के शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है। जिससे आंखों में भी यह समस्या होती है।

आंखों में कोलेस्टेरॉल के लक्षण

जलन और खिचाव होना

जब आंखों में कोलेस्ट्रॉल जमा होता है, तो यह आंखों के चारों तरफ रक्तसंचार को प्रभावित करता है। जिससे आंखों में जलन और खिंचाव की समस्या भी हो सकती है।

आंखों के निचले हिस्से में जिल्ला

आंखों में कोलेस्ट्रॉल की बढ़ती मात्रा के चलते आंखों के निचले हिस्से में जिल्ला हो सकता है।

नेत्रदाह

ज्यादा मात्रा में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से रक्तसंचार में कमी हो सकती है। जिससे आंखों में सूजन आदि की समस्या भी हो सकती है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने पर आंखों के आसपास गांठे बनने लगती हैं। बता दें कि यह गांठे फैट होता है। जो मुख्य रूप से आंखों की पुतली के पास होता है। जिससे फिर धुंधलापन भी महसूस होने लगता है।

अपनी डाइट में करें ये बदलाव

फाइबर

फाइबर से भरपूर डाइट लेने से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में किया जा सकता है। इसलिए आप अपनी डाइट में अनाज, दालें, सब्जियां, फल आदि जरूर शामिल करें।

सेमीस्टेडी तेलों

ज्यादा तला भुना खाना हमारी सेहत के लिए अच्छा नहीं होता है। ऐसे में आपको अच्छी क्वालिटी का तेल इस्तेमाल में लाना चाहिए। आप कानोला तेल, जैतून का तेल और मस्टर्ड तेल का भी उपयोग कर सकती हैं।

फल और सब्जियां

अपनी डाइट में फल और सब्जियां जरूर शामिल करें। बता दें कि फलों और सब्जियों में भरपूर मात्रा में मिनरल्स, विटामिन और एंटी–ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है, जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

ड्राई फ्रूट्स

ड्राई फ्रूट्स और नट्स भी कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए फायदेमंद होते हैं। इसलिए आपको अलसी, चिया बीज, अखरोट, काजू आदि का सेवन करना चाहिए।

फिश और ओमेगा–3 फैटी एसिड

मछली आंखों की रोशनी के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद मानी जाती है। साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को भी कंट्रोल करने में मदद करती है। क्योंकि मछली में भरपूर मात्रा में ओमेगा–3 फैटी एसिड पाया जाता है।

प्रोटीन

अधिक प्रोटीन वाले आहार जैसे मांस, टोफू, दाल और पनीर आदि को अपनी डाइट में शामिल करें।

सफेद मांस

अगर आप नॉन वेजिटेरियन हैं, तो सफेद मांस खाना फायदेमंद हो सकता है। क्योंकि इसमें कोलेस्ट्रॉल कम मात्रा में पाया जाता है।

हरी सब्जियां

अपनी डाइट में पालक, मेथी, सरसों आदि हरी सब्जियां को शामिल करें। यह बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार होती हैं।

पर्याप्त मात्रा में पिएं पानी

हर व्यक्ति को पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जाने की सलाह दी जाती है। पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन शरीर की विभिन्न प्रक्रियाओं को सहेजने में मदद कर सकता है। साथ ही यह कोलेस्ट्रॉल को भी नियंत्रित रखता है।

सुपरफूड्स

फ्लैक्सीड सीड, गर्लिक, ग्रीन टी, बेरीज़ और ओट्स जैसे सुपरफूड्स भी कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

वहीं अगर आपको लगता है कि आपकी आंखों में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ी है। तो ऐसी स्थिति में फौरन डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। क्योंकि समय रहते यदि इस समस्या को कंट्रोल नहीं किया जाता है। तो यह आपको आंखों को ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

शरीर के लिए वरदान हैं अलसी के बीज, इस तरह खाने से मिलेंगे ढेरों फायदे

पोषक तत्वों से भरपूर अलसी के बीज स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। नियमित तरीके से इनका सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिलती है। यह ओमेगा–3 फैटी एसिड,विटामिन्स, मिनरल्स, प्रोटीन व फाइबर का काफी अच्छा स्त्रोत माने जाते हैं। नियमित इनका सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिलती है।

हाल में ही शेफ संजीव कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर इन बीजों का सेवन करने के तरीका बताया है। तो चलिए जानते हैं...

फाइबर से भरपूर

यह बीज फाइबर का बहुत अच्छा स्त्रोत माने जाते हैं सिर्फ 7 ग्राम अलसी के बीजों में करीबन 2 ग्राम फाइबर मौजूद होता है। इसमें घुलनशील और अघुलनशील दोनों तरह के फाइबर मौजूद होते हैं। अघुलनशील फाइबर आंतों में मौजूद पानी को अवशोषित करके पाचन धीमा कर देते हैं। इसके अलावा इनका सेवन करने से ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल का स्तर नियंत्रित रहता है। वहीं इसमें पाया जाने वाला अघुलनशील फाइबर मल त्याग की प्रक्रिया को आसान बनाने में मदद करता है।

डायबिटीज करेंगे कंट्रोल

इन बीजों में पाए जाने वाले पोषक तत्व ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करते हैं। वहीं साबुत अलसी रक्त शर्करा में पाया जाने वाला इंसुलिन और प्रतिरोधक क्षमता को रोकती है। इसमें पाया जाने वाला अघुलनशील फाइबर रक्त शर्करा को कम करने में मदद करता है। टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए यह बीज बेहद फायदेमंद माने जाते हैं।

कोलेस्ट्रॉल करेंगे कंट्रोल

अलसी के बीजों में ओमेगा–3 फैटी एसिड काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है यह पोषक तत्व ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल का स्तर कंट्रोल करने में मदद करते हैं। यदि आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है तो यह बीज आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

अलसी के बीजों में पाया जाने वाला ओमेगा 6 फैटी एसिड त्वचा को हेल्दी रखने के साथ–साथ इम्यूनिटी मजबूत बनाने में भी मदद करता है।

वजन करेगे कम

वजन नियंत्रित करने में भी यह बीज बेहद लाभकारी माने जाते हैं। यह फाइबर से भरपूर होते हैं इनका सेवन करने से आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ रहता है और भूख कम लगती है। यदि आप वजन कम रना चाहते हैं तो इन बीजों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

शेफ संजीव कपूर के बताए हुए तरीकों से करें सेवन

फेमस शेफ संजीव कपूर ने अपने सोशल मीडिया पर अलसी के बीजों के सेवन करने का तरीका बताया है। उन्होंने बताया कि अलसी के बीजों के सेवन स्मूदी में किया जा सकता है। ज्यादा पोषण के लिए आप दलिया, सलाद या फिर ओट्स के साथ इनका सेवन कर सकते हैं। दही, फल व जूस आदि में डालकर भी आप इन बीजों का सेवन कर सकते हैं।

रोजाना दही खाने से सेहत को मिलेंगे 5 जबरदस्त फायदे, जानकर कर लेंगे डाइट में शामिल

दही बहुत से लोगों की डेली रुटीन का हिस्सा होता है। स्वादिष्ट होने के साथ–साथ यह स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी माना जाता है। इसमें विटामिन, कैल्शियम, प्रोटीन, आयरन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और फोलिक एसिड जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। रोजाना सुबह नाश्ते में इसका सेवन करने से शरीर को पोषण और एनर्जी मिलती है। इसमें प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं रोजाना दही खाने से आपको और क्या–क्या फायदे होंगे...

पाचन होगा स्वस्थ

रोजाना दही का सेवन करने से पाचन स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले गुण पाचन तंत्र स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। इसका सेवन करने से दस्त, कब्ज जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इसमें अलावा दही में पाया जाने वाला विटामिन–बी12 और लैक्टोबेसिल्स आंत में अच्छे बैक्टीरिया के विकास में मदद करते हैं इससे पाचन क्रिया स्वस्थ बेहतर होती है पाचन से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है। यदि आपका पाचन कमजोर रहता है तो दही को अपनी डाइट में जरुर शामिल करें।

हड्डियां बनेगी मजबूत

दही में पाया जाने वाले कैल्शियम, प्रोटीन व फास्फोरस हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। रोजाना सुबह नाश्ते में इसका सेवन करने से अर्थराइटिस और हड्डियों से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।

इम्यूनिटी बनेगी मजबूत

इसमें विटामिन–सी काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो इम्यूनिटी मजबूत बनाने में मदद करता है। दही का सेवन करने से आप कई तरह की इंफेक्शन व बीमारियों की चपेट में आने से बच सकते हैं।

ब्लड प्रेशर रहेगा कंट्रोल

यदि आप हाई बीपी के मरीज है तो दही का सेवन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें पाया जाने वाला मैग्नीशियम ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद करता है। यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम करता है जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का जोखिम कम होता है।

वजन कम करने में मिलेगी मदद

दही में पाया जाने वाला प्रोटीन और कैल्शियम वजन घटाने में भी मदद करते हैं। इसके अलावा इसमें कोर्टिसॉल नाम का हार्मोन पाया जाता है जो तनाव कम करता है इसका सेवन कनरे से वजन कम करने में मदद मिलती है। दही में प्रोबायोटिक पाए जाते हैं जो पाचन को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। यह मेटाबॉल्जिम का स्तर भी बढ़ाने में मदद करते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से शरीर में मौजूद एक्स्ट्रा चर्बी निकालने में मदद मिलती है।

फैमिली के साथ बना रहे घूमने की प्लानिंग, तो जरूर एक्सप्लोर करें ये जगहें, अलग होगा एहसास

सितंबर के महीने में मानसून खत्म होने को होता है। वहीं मानसून में न घूमने वाले लोग बड़ी बेसब्री से इस महीने का इंतजार करते हैं। ताकि वह अपने परिवार, दोस्तों या पार्टनर के साथ घूमने के लिए निकल सकें। परिवार के साथ ट्रिप का एक अलग ही मजा होता है। जब बच्चे अपने पेरेंट्स के साथ किसी यात्रा पर जाते हैं, तो पूरी ट्रिप का मजा दोगुना हो जाता है। कई लोग सितंबर में घूमने का प्लान बना चुके होंगे। ऐसे में अगर आप भी सिंतबर माह में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो जाहिर सी बात है कि आप घूमने के लिए कुछ शानदार जगहों की तलाश में होंगे। जहां पर जाकर आपका ट्रिप यादगार बन जाए। ऐसे में आपको इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फैमिली के साथ घूमने वाली कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

उदयपुर : अगर आप सितंबर माह में अपनी फैमिली के साथ किसी शानदार शहर को एक्सप्लोर करने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको उदयपुर पहुंचना चाहिए। झीलों की नगरी के नाम से फेमस उदयपुर सितंबर के महीने में काफी मनमोहक हो जाता है। यहां पर इस महीने में मौसम भी एकदम सुहावना होता है। मनमोहक झीलों और झील की किनारे–किनारे स्थित भव्य और मनमोहक महल की सुंदरता देख परिवार के सदस्य खुशी से झूम उठेंगे। इसके अलावा आप उदयपुर में शाही मेहमान नवाजी का भी लुत्फ उठा सकते हैं। बता दें कि यहां पर आप लेक पैलेस, सिटी पैलेस, जगमंदिर, फ़तेह सागर झील, पिछोला झील और सहेलियों की बारी जैसी बेहतरीन जगहों पर घूम सकते हैं।

पंचगनी: परिवार के साथ घूमने का प्लान बनें और उसमें महाराष्ट्र की कोई जगह शामिल ना हो, ऐसा तो हो नहीं सकता है। अगर आप भी सितंबर माह में महाराष्ट्र के किसी शानदार जगह पर घूमने का सोच रहे हैं, तो आपको पंचगनी जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर हर महीने लाखों की संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। सितंबर माह में परिवार के साथ लोग इस जगह घूमने के लिए पहुंचते हैं। बता दें कि प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह स्वर्ग से कम नहीं

है। पंचगनी में आप टेबल लैंड, भीलर फॉल्स, कास पठार, पारसी प्वाइंट और राजपुरी गुफाएं जैसी बेहतरीन जगहों को अपनी फैमिली के साथ एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कुर्ग: कुर्ग को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यह एक बेहद खूबसूरत जगह है। यहां पर आप अपनी फैमिली, दोस्तों या फिर पार्टनर के साथ घूमने के लिए आ सकते हैं। कुर्ग की खूबसूरती इस कदर फेमस है कि इसे भारत का स्कॉटलैंड भी कहा जाता है। यहां पर आपको वनों से ढकी पहाड़ियां, मसाले और कॉफी के और लुभावने दृश्य देखने को मिलेंगे। यही वजह है कि इस जगह को फैमिली वेकेशन के लिए बेस्ट डेस्टिनेशन में से एक माना जाता है। सितंबर के महीने में यहां का मौसम काफी सुहावना होता है। कुर्ग में आप नामड्रोलिंग मठ, इरुप्पु वाटर फॉल्सअ, एबी फॉल्स और होननामना केर झील आदि जगहों को देख सकते हैं।

कौसानी : अगर आप भी सितंबर के महीने में उत्तराखंड की हसीन वादियों में खो जाना चाहते हैं। तो आपको अल्मोड़ा, मसूरी, नैनीताल नहीं, बल्कि कौसानी का रुख करना चाहिए। बता दें कि कौसानी उत्तराखंड का एक छोटा, शांत और बेहद हसीन हिल स्टेशन है। कौसानी के शांत वातावरण में आप परिवार के साथ सुकून के दो पल बिता सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर एडवेंचर एक्टिविटीज में भी शामिल हो सकते हैं। कौसानी में आप अपनी फैमिली के साथ बैजनाथ मंदिर, सुमित्रानंदन पंत संग्रहालय, रुद्रधारी फाल्स और कौसानी टी एस्टेट जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

समीक्षा बैठक के लिए मुख्यालय पहुंचे गिल-श्रेयस और कोच गंभीर, लिए जा सकते हैं बड़े फैसले

मुंबई,एजेंसी। भारतीय वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल, टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण गुरुवार को मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में एक समीक्षा बैठक के लिए पहुंचे। इस बैठक में बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी भी शामिल हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, यह समीक्षा बैठक मूल रूप से आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों पर भारत की हार के बाद निर्धारित की गई थी, लेकिन श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के दौरे के कारण इसमें देरी हुई। इस बैठक में बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया और अध्यक्ष मिथुन मंहस के साथ-साथ भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के भी मौजूद हैं। गत टी20 विश्व कप चैंपियन भारत को जून में आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज में 0-2 से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड में भी उनका संघर्ष जारी रहा, जहां मेन इन ब्लू को पांच मैचों की टी20 सीरीज में 0-4 से हार मिली, जिसमें नॉटिंघम में 125 रन की हार भी शामिल है जो इस सीरीज की उनकी सबसे बड़ी हार थी। इसके अलावा, शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भी 1-2 से गंवा दी थी।

इस बीच, भारत अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसमें नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर टीम का नेतृत्व करेंगे और तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। फिटनेस क्लियरेंस के अधीन, स्टार तेज

गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टीम में वापसी हुई है, साथ ही नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा को भी शामिल किया गया है। बुमराह का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 16 जुलाई को कार्डिफ के सोफिया गार्डन्स में इंग्लैंड के खिलाफ था। कार्डिफ में फील्डिंग के दौरान लगी चोट के कारण वह लॉर्ड्स में खेले गए अंतिम वनडे से बाहर हो गए थे और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे जिसे भारत ने 1-0 से जीता था। यह सीरीज 13 सितंबर से शुरू होगी, जिसमें दूसरा टी20 मुकाबला 15 सितंबर को और तीसरा 17 सितंबर को खेला जाएगा। तीनों मैच नई दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए तीन दिग्गज खिलाड़ियों रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के भविष्य पर भी चर्चा होगी। फिलहाल कोहली और जडेजा पर ज्यादा दबाव नहीं है, लेकिन रोहित को लेकर स्थिति अलग है और वह लगातार चर्चा के केंद्र में हैं। इस लिहाज से ये बैठक काफी अहम मानी जा रही है। ऐसी अटकलें लगाई जाती रही हैं कि चयन समिति के एक सदस्य ने रोहित को बताया था कि पैनल अब उनसे आगे बढ़ने का फैसला कर चुका है। हाल के इंग्लैंड दौरे में लॉर्ड्स वनडे के बाद रोहित से पूछा गया था कि क्या वह अपने करियर को विराम देने वाले हैं। पूर्व कप्तान और उनके करीबी लोगों ने इस मामले पर चुप्पी साधे रखी। हालांकि ऐसी चर्चा थी कि रोहित नाराज होने के बावजूद इसके लिए तैयार हो गए थे। लेकिन लॉर्ड्स में हार के बावजूद उनके शानदार शतक की वजह से कम से कम फिलहाल उनके संन्यास लेने की संभावना को खारिज कर दिया गया है। इसके बावजूद यह निश्चित तौर पर नहीं कहा जा सकता कि रोहित अगले साल दक्षिण अफ्रीका जाने वाली उड़ान में सवार होंगे।

धोनी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलेंगे: सीएसके के इस पूर्व बल्लेबाज का खुलासा, बोले- माही ने खुद बताया

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान और चेन्नई सुपर

किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलना चाहते हैं, जिससे 2027 में होने वाले टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता में एक और नया मोड़ आ गया है। सीएसके के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने यह खुलासा किया। यह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज इम्पैक्ट प्लेयर नियम से अपना कार्यभार कम करके आईपीएल में अपना करियर आगे बढ़ा सकते थे, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगर वह खेलना जारी रखते हैं तो वह पूर्णकालिक विकेटकीपर बने रहना चाहते हैं। धोनी के भविष्य को लेकर हमेशा ही अटकलों का बाजार गर्म रहता है। वह पिछले कुछ समय से चोट से जूझ रहे हैं। धोनी आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल सके थे और अब उनके अगले सीजन में खेलने को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। बद्रीनाथ ने अपने यू-ट्यूब चौनल पर कहा, धोनी ने मुझे खुद कहा था कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलेंगे। वह खुद को पूर्णकालिक विकेटकीपर के तौर पर देख रहे हैं जिसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर मैदान पर रहना होगा। इसलिए यह तय है कि वह इम्पैक्ट के तौर पर नहीं उतरेंगे, लेकिन अगर धोनी ऐसा करते हैं तो रणनीतिक तौर पर सीएसके के लिए यह फायदेमंद रहेगा। बद्रीनाथ ने कहा, धोनी के लिए लंबे समय तक खेलना मुश्किल होगा जैसा कि (सीएसके के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन) फ्लेमिंग ने भी कहा है। वे 16वें ओवर के बाद ही बल्लेबाजी करेंगे और विकेटकीपिंग करेंगे। जब उनकी भागीदारी इतनी कम है तो इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलना उनके लिए आदर्श स्थिति होगी। बद्रीनाथ का मानना है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम धोनी पर काम का बोझ कम कर सकता है। इससे सीएसके उनके अनुभव और फिनिशर के रूप में उनकी भूमिका का फायदा उठा सकता है। विकेटकीपर के रूप में खेलना जारी रखने की धोनी की प्राथमिकता का मतलब है कि सीएसके को अगले साल आईपीएल में उनकी भागीदारी पर फैसला करने के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। सीएसके को पांच आईपीएल खिताब दिलाने वाले धोनी ने 2024 के सत्र से पहले कप्तानी छोड़ दी और तब से बल्लेबाज के रूप में भी उनकी भूमिका सीमित हो गई है।

संक्षिप्त

सात खिलाड़ियों को स्वदेश बुलाने के फैसले का किया बचाव, टीम को लेकर क्या बोले?

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट में जारी उठापटक के बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आलोचकों को जवाब दिया है। नकवी ने इंग्लैंड दौरे के बीच में टेस्ट टीम से सात खिलाड़ियों को बाहर करने, मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को वापस बुलाए जाने के बाद हो रही तीखी आलोचना पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती दोनों मुकाबलों में बड़ी हार झेलने के बाद पीसीबी को पूर्व क्रिकेटरों की तरफ से भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। पीसीबी अध्यक्ष होने के साथ-साथ पाकिस्तान के गृह मंत्री का पद संभाल रहे नकवी का कहना है कि वह आलोचनाओं से डरते नहीं हैं, लेकिन अगर ऐसी बातें उन लोगों की तरफ से आती हैं जिन्होंने अपने जीवन में कुछ हासिल नहीं किया है, तो इससे उन पर कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के शुरुआती दो मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। पाकिस्तान इस तरह सीरीज में 0-2 से पिछड़ गया है। पाकिस्तान के इस प्रदर्शन के बाद पीसीबी ने कठोर रवैया अपनाया और तीसरे टेस्ट में सात खिलाड़ियों को बाहर कर दिया। इतना ही नहीं बोर्ड ने दौरे के बीच से मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी वापस बुला लिया। पीसीबी के इस फैसले का पाकिस्तान में पुरजोर विरोध हो रहा है। कई पूर्व खिलाड़ियों ने बोर्ड के इस फैसले की आलोचना की है। अब इसे लेकर नकवी का बयान सामने आया है। एक पाकिस्तानी चौनल से बातचीत करते हुए मोहसिन नकवी ने कहा, मैं कभी भी आलोचना से नहीं डरा हूं और न ही कभी डरूंगा। जो लोग यह कह रहे हैं कि मेरे आने के बाद से क्रिकेट बर्बाद हो गया है, वे जाकर देख लें कि मेरे आने से पहले रैंकिंग क्या थी। मोहसिन नकवी ने यह भी कहा कि वह वसीम अकरम जैसे कद के खिलाड़ी की बात सुनने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने अन्य लोगों की आलोचनाओं को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उन्हें तथ्यों की कोई जानकारी नहीं है। इंग्लैंड दौरे से वापस भेजे गए खिलाड़ियों में सीनियर खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा के अलावा इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमेर जमाल, अवैस जफर और खुर्रम शहजाद शामिल हैं। उनकी जगह टेस्ट टीम में जिन नए खिलाड़ियों को बुलाया गया है, उनमें सईम अयूब, अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान रंधावा और रजाउल्लाह शामिल हैं। खबरों के अनुसार, पीसीबी ने अपनी चयन समिति को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और टेस्ट टीम में इमाम-उल-हक तथा मोहम्मद रिजवान के चयन के पीछे के तर्क पर सवाल उठाए हैं। इसके अलावा, पीसीबी ने टेस्ट टीम के कोच का जिम्मा भी माइक हेसन को सौंप दिया है, जबकि एशले नॉफके को गेंदबाजी कोच नियुक्त किया गया है। इस बीच, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने चयन समिति और लाहौर स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में बल्लेबाजी सलाहकार के अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कर सकता है कार्रवाई, दो साल का प्रतिबंध लगाने की तैयारी

कराची,एजेंसी। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच खेली जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक पर चोट का नाटक करने के आरोप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दो साल का प्रतिबंध लग सकता है। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होने के बावजूद इमाम चोट के कारण दोनों पारियों में बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं उतरे। वह पहले दिन के दूसरे सत्र के बाद से पाकिस्तान के लिए मैदान पर भी नहीं उतरे थे। पाकिस्तान मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, लीड्स में हुए पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शून्य पर आउट होने वाले इमाम को इस चोट से जुड़े विवाद के कारण दो साल तक के प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इमाम की चोट की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इमाम पर पहले भी चोट का नाटक करने के आरोप लग चुके हैं और वह यदि दोषी पाए जाते हैं, तो उन्हें दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ सकता है। इमाम पर इससे पहले मार्च 2025 में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान भी चोट का नाटक करने का आरोप लगा था। पीसीबी सूत्रों के मुताबिक, पिछले साल न्यूजीलैंड के सफेद गेंद के दौरे पर इंडोर नेट्स सत्र के दौरान इमाम के दाहिने पैर के अंगूठे में चोट लगी थी, लेकिन उन्होंने अपनी चोट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया या गलत तरीके से प्रस्तुत किया और मेडिकल स्टाफ को गुमराह किया। बर्मिंघम में होने वाले तीसरे मैच से पहले पीसीबी द्वारा टेस्ट टीम से बाहर किए गए सात खिलाड़ियों में यह बाएं हाथ का बल्लेबाज भी शामिल था और वह इस हफ्ते सलमान अली आगा, मोहम्मद रिजवान और अली उस्मान समेत अन्य खिलाड़ियों के साथ पाकिस्तान वापस लौट आए। यह भी रिपोर्ट किया गया है कि विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के अनुशासन को लेकर गंभीर चिंताएं हैं और पीसीबी उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिजवान का पाकिस्तान करियर लगभग समाप्त हो चुका है, क्योंकि निकट भविष्य में उनके सीनियर राष्ट्रीय पुरुष टीम के लिए चुने जाने की संभावना नहीं है। अतीत में पाकिस्तान की सफेद गेंद की कप्तानी संभाल चुके रिजवान को राष्ट्रीय टीम के लिए हालिया मैचों में उनके खराब शॉट चयन के कारण काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है।

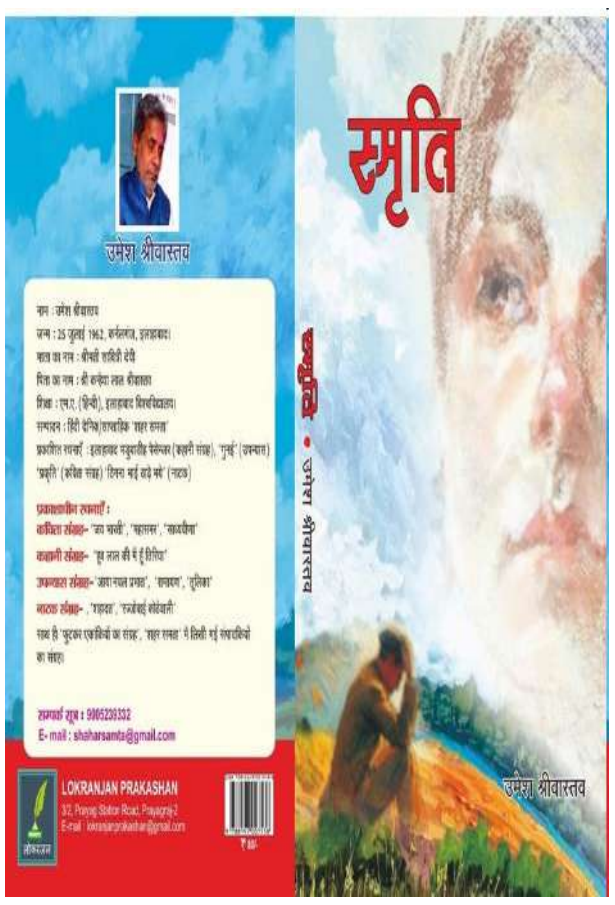

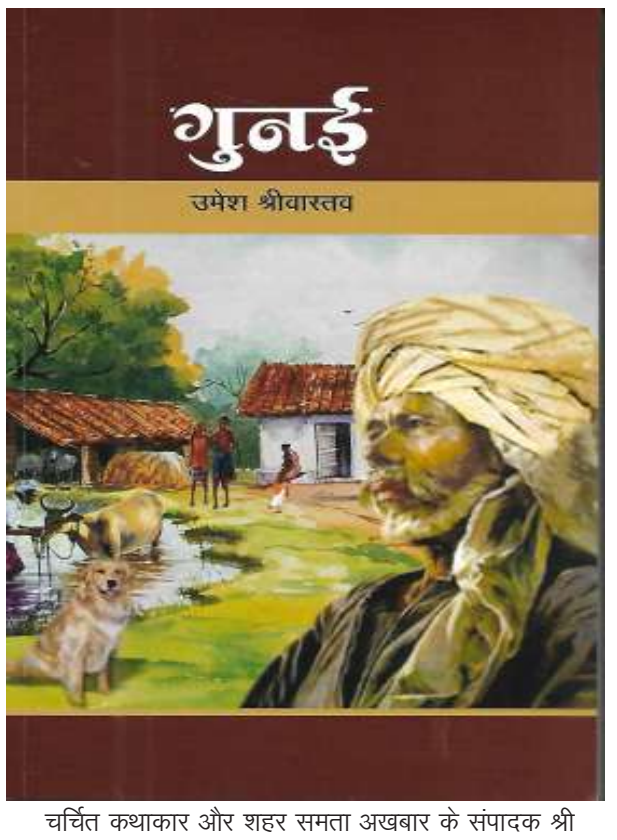

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

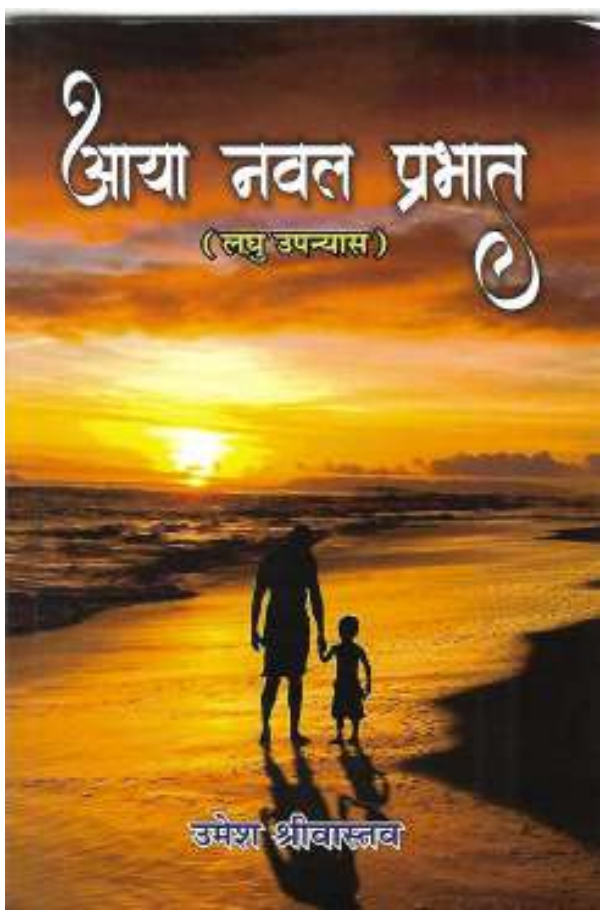

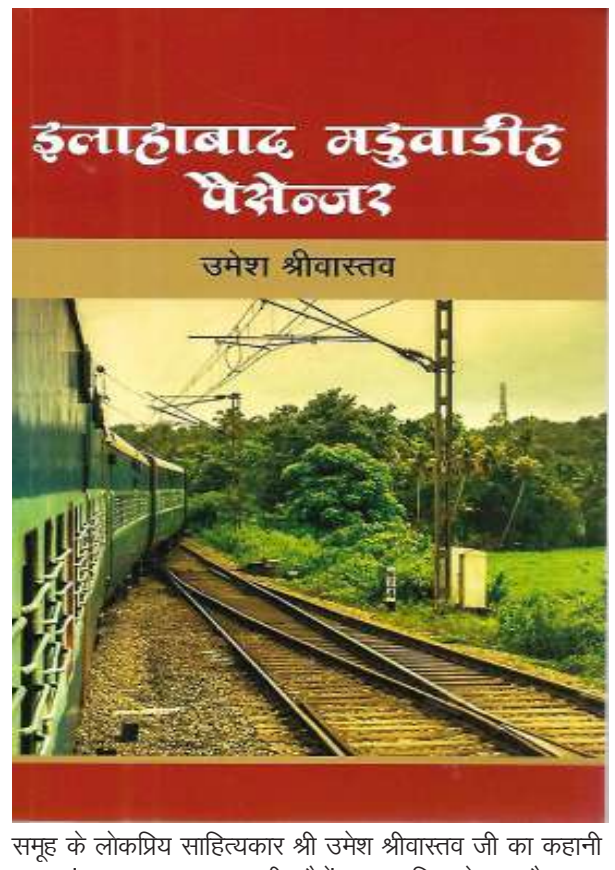

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

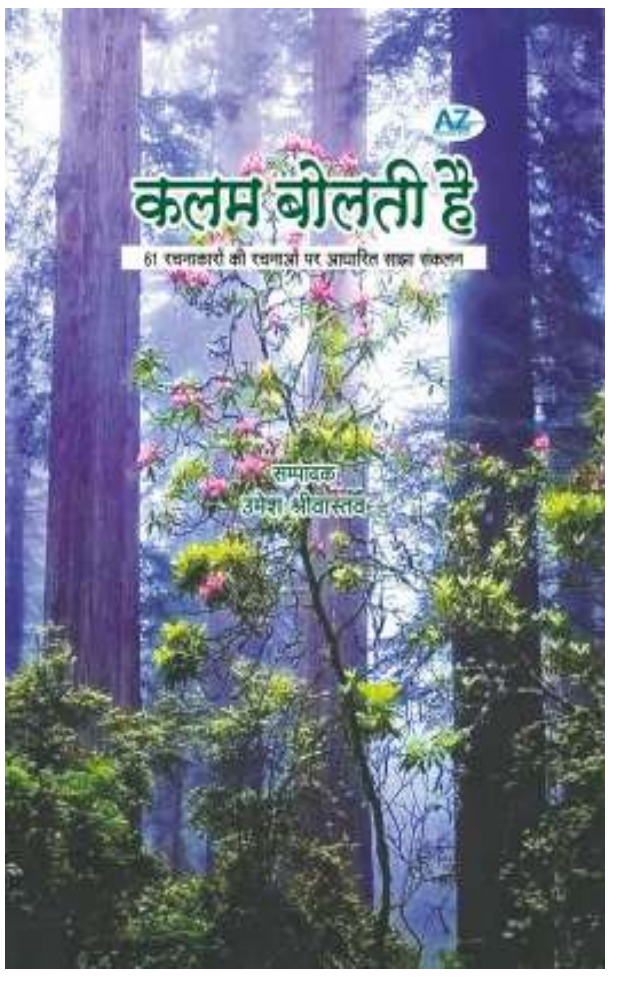

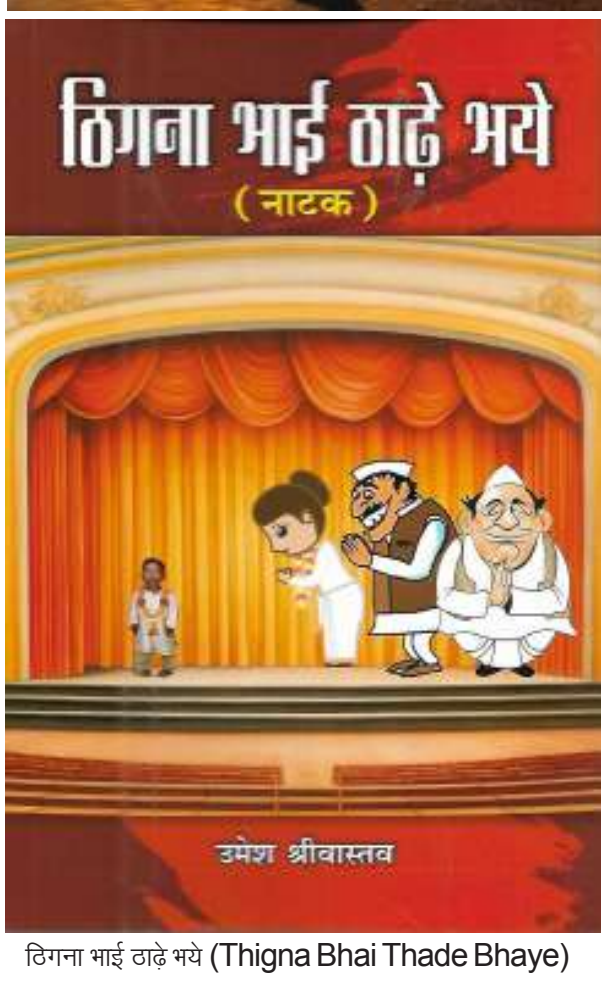

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

मिनियापोलिस में अपार्टमेंट के अंदर गोलीबारी से हड़कंप, संदिग्ध समेत दो की मौत, तीन पुलिस कर्मी घायल

लंदन/न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस शहर के मध्य इलाके में बुधवार दोपहर एक अपार्टमेंट इमारत में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, गोलीबारी के संदिग्ध की भी मौत हो

गई। मिनियापोलिस पुलिस के सार्जेंट गैरेट पार्टेन ने बुधवार शाम संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तीन पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। इनमें से दो को गोली लगी है। हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर के अनुसार, तीनों अधिकारियों की हालत स्थिर है। गोलीबारी में दो लोगों की मौत

पार्टेन ने बताया कि इमारत में गोली चलने की सूचना 911 पर शाम 4रू30 बजे के ठीक बाद मिली। इसके तीन मिनट बाद पुलिस अधिकारी इमारत में दाखिल हुए और उन्हें ऊंची इमारत के अंदर घायल लोग मिले। उन्होंने बताया कि पुलिस अधिकारियों ने और गोलियां चलने की आवाज सुनी और आवाज का पीछा करते हुए ऊपरी मंजिल पर पहुंचे। वहां धुंध ा जैसी स्थिति थी, जिससे उनकी देखने की क्षमता काफी सीमित हो गई थी। पार्टेन ने कहा, श्श्यह बेहद दुखद घटना है और हमारी संवेदनाएं तथा प्रार्थनाएं उन परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है। हम घायलों, घायल अधिकारियों और उनके परिवारों के साथ भी हैं।श्श उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति की घटनास्थल पर ही गोली लगने से मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ दिया। पार्टेन ने कहा कि यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका कि गोलीबारी करने वाले व्यक्ति की मौत कैसे हुई। संदिग्ध को लेकर क्या बोले चश्मदीद? जूलियस बेली अपने अपार्टमेंट की इमारत के बाहर बैठे थे, तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति को पिस्तौल लिए देखा, जिसे वह इमारत के निवासी के रूप में पहचानते थे। बेली ने बताया कि उन्होंने एक महिला को चीखते हुए सुना और तुरंत वहां से भागने लगे। उनके मुताबिक, उन्होंने आठ गोलियों की आवाज गिनी। बेली ने कहा कि वह बंदूक लिए व्यक्ति को पहचानते थे, क्योंकि वह अक्सर अपना हथियार दिखाने के लिए जाना जाता था। उन्होंने बताया कि जून में इमारत में रहने के बाद से वह उस व्यक्ति से बचने की कोशिश करते रहे हैं। उन्होंने कहा, श्श्मैं समझ गया था कि वह परेशानी खड़ी कर सकता है। अपार्टमेंट में रहने वाले क्रिस मिलर ने बताया कि उन्होंने लगातार तेजी से गोलियां चलने की आवाज सुनी और सुरक्षा के लिए तुरंत बाहर भाग गए। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि वह उस व्यक्ति को जानते हैं जिसने गोलीबारी की। मिलर ने बताया कि इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने गलियारे में एक व्यक्ति को हैंडगन के साथ देखा था और इसकी जानकारी इमारत के प्रबंधन को दी थी। एफबीआई और पुलिस ने संभाला मोर्चा सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में मिनियापोलिस कन्वेंशन सेंटर के पास एक अपार्टमेंट टावर की ओर पुलिस अधिकारियों को राइफल ताने हुए देखा गया। अधिकारियों ने लोगों को पास के घनी आबादी वाले लोरिंग पार्क इलाके से दूर रहने की चेतावनी दी। मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य के अधिकारी स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर गोलीबारी की घटना से निपटने में मदद कर रहे हैं। एफबीआई भी गोलीबारी की घटना पर कार्रवाई कर रही है। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एजेंसी स्थानीय अधिकारियों की मदद के लिए "जरूरी सभी संसाधन उपलब्ध कराएगी।"

जी–20 बैठक में घमासान: अमेरिका पर बिफरे यूरोपीय देश, कनाडा से तीखी नोकझोंक, जर्मनी–फ्रांस ने भी उठाए सवाल

एशविले, एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में आयोजित जी–20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स की बैठक में उस वक्त असहज स्थिति पैदा हो गई, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक मॉडल को दुनिया के सामने श्रोल मॉडलश की तरह पेश करने की कोशिशें उल्टी पड़ गईं। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सम्मेलन के लगभग हर सत्र की शुरुआत यह कहते हुए की कि दुनिया को ट्रंप प्रशासन की नीतियों की नकल करनी चाहिए। लेकिन मेज के दूसरी तरफ बैठे अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी–जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा ने इस आत्ममुग्धता को स्वीकार करने के बजाय अमेरिकी नीतियों पर दुनिया की आर्थिक तरक्की को पटरी से उतारने का खुला आरोप मढ़ दिया। ईरान के साथ अमेरिकी युद्ध के चलते ग्लोबल एनर्जी सप्लाई और शिपिंग रूट्स का ठप होना, सहयोगियों को भरोसे में लिए बिना यूरोपीय मुद्रा (यूरो) बेचकर जापानी येन को सहारा देना, और कनाडा समेत यूरोपीय देशों पर थोपे गए दंडात्मक टैरिफ जैसे मुद्दों पर पश्चिमी ब्लॉक के भीतर ही खुला असंतोष फूट पड़ा। बेसेंट बोले– 13 गुना ताकतवर देश से मत भिड़ो सम्मेलन के दौरान सबसे तीखी जुबानी जंग अमेरिका और उसके उत्तरी पड़ोसी कनाडा के बीच देखने को मिली। वित्त मंत्री बेसेंट ने सीएनबीसी को दिए इंटरव्यू में कनाडा का उपहास उड़ाते हुए कहा–मुझे नहीं लगता कि आपको किसी ऐसे देश से आंख में आंख मिलाकर भिड़ना चाहिए जो आपकी अर्थव्यवस्था से 13 गुना बड़ा है। इस बयान पर पलटवार करते हुए कनाडा के वित्त मंत्री फ्रांस्वा–फिलिप शैम्पेन ने कहा–हम किसी से डरने वाले नहीं हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

नेपाल आपदा: सात दिन से अपनों का इंतजार, जिंदा होने की आस टूटी, त्रिशूली मठ में परिजन कर रहे अंतिम प्रार्थना

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद त्रिशूली मठ में गुरुवार को भावुक कर देने वाला दृश्य देखने को मिला। सात दिन से लापता अपनों की कोई खबर नहीं मिलने पर परिवार और स्थानीय लोग उनकी सलामती की उम्मीद के साथ प्रार्थना कर रहे हैं। वहीं, कुछ परिवारों ने अपने लापता परिजनों की आत्मा की शांति के लिए अंतिम धार्मिक अनुष्ठान भी शुरू कर दिए हैं। मठ में बड़ी संख्या में लोग उन लोगों के लिए प्रार्थना करने पहुंच रहे हैं, जिन्हें बाढ़ अपने साथ बहा ले गई। परिजनों के पास यह पुष्टि नहीं है कि उनके प्रियजन जीवित हैं या नहीं, लेकिन सात दिन से कोई संपर्क नहीं होने के कारण

वे अब उनकी आत्मा की शांति के लिए धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। सात दिन से नहीं मिला कोई सुराग रसुवा के रहने वाले तिशुंग घाले ने बताया कि उनके इलाके में कई लोग घरों समेत बाढ़ में बह गए और एक सप्ताह बीतने के बाद भी उनका कोई पता नहीं चल सका है। उनके परिवार के कई सदस्य भी लापता हैं। घाले ने बताया कि वह अपने लापता रिश्तेदारों के लिए मठ में प्रार्थना कर रहे हैं। उनके मुताबिक, लगातार सात दिनों से संपर्क नहीं होने के कारण उन्हें आशंका है कि शायद वे अब इस दुनिया में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनके प्रियजनों की मौत हो चुकी है तो उनके नाम पर की गई प्रार्थना से उनकी आत्मा को शांति मिल सकती है। एक परिवार के नहीं, कई परिवारों के लोग लापता घाले ने बताया कि उनका अपना परिवार सुरक्षित है, लेकिन कई रिश्तेदार बाढ़ की चपेट में आ गए। उन्होंने कहा कि जिस इलाके में वे ठहरे हुए थे, वहां से करीब 42 लोगों के बह जाने की जानकारी है। उनके मुताबिक, उनके क्षेत्र में 400 से अधिक लोग लापता या प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बड़ी बहन, छोटी बहन और उसका पूरा परिवार बाढ़ में बह गया। बड़ी बहन की एक बेटी, अन्य रिश्तेदार और उनकी बुजुर्ग मौसी भी लापता हैं। घाले ने कहा कि परिवार दर परिवार लोगों के गायब होने का सिलसिला सामने आया और उनके जानने वाले करीब 42 लोग इस आपदा में बिछड़ गए। बौद्ध परंपरा के अनुसार मठ में हो रही प्रार्थना स्थानीय निवासी बोम बहादुर तामांग ने बताया कि चीन की ओर से अचानक आए पानी ने कई बस्तियों को अपनी चपेट में ले लिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा की शांति के लिए स्थानीय लोग मठ में प्रार्थना कर रहे हैं। तामांग के मुताबिक, मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करना बौद्ध धर्म की परंपरा का हिस्सा है। इसी परंपरा के तहत लोग मठ में एकत्र होकर अपने लापता और मृत माने जा रहे परिजनों के लिए धार्मिक अनुष्ठान कर रहे हैं। मृतकों की संख्या 1,252 पहुंची, 4,875 लोग अब भी लापता नेपाल में प्रभावित इलाकों से लगातार शव बरामद होने के साथ ही बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,252 हो गई है। वहीं, हजारों लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल पुलिस की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा 355 शव चितवन जिले से बरामद हुए हैं। इसके बाद नवलपरासी ईस्ट से 218 और नवलपरासी वेस्ट से 208 शव मिले हैं। नवलपरासी वेस्ट के आंकड़े में भारत से बरामद कर सौंपे गए 18 शव भी शामिल हैं। इसके अलावा नुवाकोट से 177, रासुवा से 127, गोरखा से 69, धादिंग से 60 और तनाहुन से 38 शव बरामद किए गए हैं। नेपाल सेना के नेतृत्व में संयुक्त बचाव दल गुरुवार को हादसे के नौवें दिन भी प्रभावित इलाकों में तलाशी और राहत अभियान चला रहे हैं। पुलिस के अनुसार, अभी 4,875 लोगों के लापता होने का अनुमान है।

अमेरिका: जन्मसिद्ध नागरिकता पर ट्रंप को बड़ा झटका, जज ने नया आदेश रोका, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई कोशिश को बड़ा झटका लगा है। मैरीलैंड की संघीय जज डेबोरा एल. बोर्डमैन ने ट्रंप प्रशासन के नए कार्यकारी आदेश पर रोक लगाते हुए प्रारंभिक निषेध ाज्ञा जारी की है। जज ने यह रोक उस समय लगाई जब अप्रवासी परिवारों और अधिकार समूहों की ओर से दायर क्लास–एक्शन मुकदमे पर सुनवाई चल रही है। बोर्डमैन ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के पिछले फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित श्रेणी में आने वाले बच्चे जन्म के समय अमेरिकी नागरिक हैं। हालांकि व्हाइट हाउस की ओर से इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। क्या है जन्मसिद्ध नागरिकता का नियम? मौजूदा अमेरिकी कानून के तहत अमेरिका की जमीन पर जन्म लेने वाले अधिकांश बच्चों को जन्म से ही अमेरिकी नागरिकता मिलती है। इसके कुछ अपवाद हैं। इस व्यवस्था की कानूनी नींव 1868 में 14वें संविधान संशोधन के लागू होने के बाद पड़ी थी। ट्रंप लंबे समय से जन्मसिद्ध नागरिकता खत्म

करने की मांग करते रहे हैं। इससे पहले उन्होंने ऐसा कार्यकारी आदेश जारी किया था, जिसमें अमेरिका में अवैध रूप से या अस्थायी स्थिति में रह रहे लोगों के बच्चों को अमेरिकी नागरिकता देने पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। जून में सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रयास को खारिज कर दिया था। नए आदेश में किन लोगों को निशाना बनाया गया?

अगस्त में ट्रंप प्रशासन ने एक नया और सीमित दायरे वाला कार्यकारी आदेश जारी किया। इसमें कुछ खास परिस्थितियों में जन्मे बच्चों की स्वतः नागरिकता पर रोक लगाने की कोशिश की गई थी। इसमें ऐसे बच्चों का जिक्र था जिनके माता–पिता का संबंध विदेशी दूतावासों या संगठनों से हो अथवा जिन्हें अमेरिका का 'विदेशी दुश्मन' माना जाए। आदेश में 'बर्थ टूरिज्म' की भी बात की गई थी। इसका मतलब ऐसे व्यक्ति से है जो अमेरिका में बच्चे को जन्म देने के उद्देश्य से गैर–आप्रवासी वीजा पर देश में प्रवेश करता है। अमेरिकी नियमों में पहले से ही ऐसी स्थिति को वीजा संबंधी कार्रवाई का आधार माना जा सकता है, यदि किसी व्यक्ति ने विशेष रूप से बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के उद्देश्य से वीजा हासिल किया हो। परिवारों को किस बात का डर था? नए आदेश को चुनौती देने वाले परिवारों और संगठनों ने अदालत में कहा कि इसके कारण कई परिवारों में असमंजस और डर पैदा हुआ। कुछ परिवारों को आशंका थी कि उनके बच्चों को केवल इसलिए नागरिकता से वंचित किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने अमेरिका आने के लिए हवाई टिकट खरीदा और वहां पहुंचने के बाद गर्भध ाारण हुआ। याचिकाकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कार्यकारी शाखा किसी व्यक्ति को 'विदेशी दुश्मन' मानने के लिए व्यापक नजरिया अपना रही है और कुछ मामलों में अनुमान या गलत जानकारी पर भी निर्भर किया जा सकता है। कुछ परिवारों ने चिंता जताई कि उनके बच्चों की नागरिकता इसलिए प्रभावित हो सकती है क्योंकि उनके विस्तारित परिवार का कोई सदस्य अपने देश में किसी गिरोह से जुड़ा था, जबकि माता–पिता खुद किसी गिरोह के सदस्य नहीं थे। जज ने प्रशासन की दलील क्यों खारिज की? ट्रंप प्रशासन के वकीलों ने अदालत से कहा कि आदेश को रोकने की मांग अभी समय से पहले है। उनका तर्क था कि इसे लागू करने वाली संघीय एजेंसियां अभी जारी नहीं हुई आधिकारिक गाइडलाइन के आध ाार पर उचित तरीके से कार्रवाई करेंगी। जज बोर्डमैन ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि गाइडलाइन चाहे कुछ भी कहे, 2026 का कार्यकारी आदेश एजेंसियों को बच्चों की कई व्यापक श्रेणियों को नागरिकता संबंधी दस्तावेज देने से रोकने का निर्देश देता है।

क्या वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ खारिज होगा मामला ? इस आधार पर मिल सकती है राहत

वॉशिंगटन , एजेंसी। वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी ने बुधवार को एक अमेरिकी न्यायाधीश से अपने खिलाफ लगाए गए ड्रग तस्करी के आरोपों को खारिज करने की मांग की। उन्होंने दलील दी कि किसी देश के राष्ट्रपति और प्रथम महिला के रूप में उन्हें कानूनी प्रतिरक्षा हासिल है।

मैनहट्टन की संघीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों में मादुरो के वकीलों ने कहा कि कानून के तहत न्यायाधीश को आरोपपत्र खारिज करना ही होगा, क्योंकि किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष के खिलाफ इस तरह का मामला नहीं चलाया जा सकता। किस कानून के आधार पर आरोप खारिज करने की मांग कर रहे हैं मादुरो? वकीलों ने कहा, शकिसी भी अमेरिकी अदालत ने अब तक ऐसे विदेशी नेता के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की सुनवाई नहीं की है, जिसे आरोप लगाए जाने के समय उसके अपने देश ने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में मान्यता हालि हो।श उन्होंने कहा, श्यह महज संयोग नहीं है। यह एक ऐसे नियम को दर्शाता है जो सामान्य कानून से भी पुराना है। राष्ट्राध्यक्ष अपने देश की अदालतों को छोड़कर किसी भी अन्य देश की अदालत की आपराधिक कार्रवाई से मुक्त होते हैं।श मादुरो और उनकी पत्नी के खिलाफ ड्रग तस्करी के आरोपों पर मुकदमे की सुनवाई अगले साल 1 जून से शुरू होने वाली है। न्यायाधीश एल्विन के. हेलरस्टीन ने आरोपपत्र खारिज करने की मांग वाली याचिकाओं पर मौखिक दलीलों के लिए 17 नवंबर की तारीख तय की है। जनवरी की शुरुआत में निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिकी बलों ने किया था गिरफ्तार 63 वर्षीय मादुरो और उनकी 69 वर्षीय पत्नी सिलिया फ्लोरेस को जनवरी की शुरुआत में आधी रात के दौरान कराकास स्थित उनके घर पर अमेरिकी बलों की कार्रवाई के बाद गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क लाया गया था। तब से दोनों ब्रूकलिन की एक जेल में बंद हैं। बुधवार को दाखिल अलग दस्तावेजों में फ्लोरेस के वकीलों ने भी कहा कि उन्हें संप्रभु प्रतिरक्षा के आधार पर अमेरिका में अभियोजन से छूट हासिल है। उनके वकीलों ने कहा, श्यह वेनेजुएला को मिली हुई संप्रभुता है और इसे केवल वेनेजुएला ही त्याग सकता है।श मादुरो के वकीलों ने कहा कि अगर राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते उन्हें संप्रभु प्रतिरक्षा का अधिकार न भी मिले, तब भी उनके खिलाफ मामला खारिज किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अपने आधिकारिक कृत्यों के आधार पर आचरण–आधारित संप्रभु प्रतिरक्षा भी हासिल है। आरोप सिद्ध होने पर मादुरो को कितनी सजा हो सकती है? मादुरो और फ्लोरेस के खिलाफ यह आपराधिक मामला पहली बार छह साल दर्ज किया गया था। अगर जूरी इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि दोनों अमेरिका में कोकीन भेजने की साजिश का हिस्सा थे, तो उन्हें उम्रकैद तक की सजा हो सकती है।

कांगो में इबोला का कहर जारी: मई से 3000 से ज्यादा लोगों की मौत, तेजी से फैल रही बीमारी, क्या इसका उपचार है?

बुनिया (कांगो), एजेंसी। कांगो में इबोला के प्रकोप से 3,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अब तक 6,100 से ज्यादा मामलों की पुष्टि हुई है। बुधवार को जारी सरकार के ताजा आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। बीमारी बहुत तेजी से फैल रही है। इसकी रफ्तार इतनी ज्यादा है कि इसे रोकने और इसके प्रसार पर नजर रखने की कोशिशें पीछे छूट रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस प्रकोप में अब तक इबोला के 6,186 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें 3,007 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा मई के मध्य से अब तक का है। इसी समय इबोला को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया गया था। यह अब तक का सबसे तेजी से बढ़ने वाला इबोला प्रकोप बना हुआ है। बुनिया के रहने वाले जीन–क्लॉड अंगवांजिया ने बताया कि वह इतुरी प्रांत के सबसे ज्यादा प्रभावित इलाके मंबासा से निकल गए। उन्हें वहां सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को बहुत कम देखा। संक्रमित लोगों के शवों को भी ठीक तरीके से नहीं संभाला जा रहा था। इससे सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई थी। उन्होंने कहा कि इलाके में मंडरा रहे खतरे की वजह से उन्हें वहां से भागना पड़ा। इस बीमारी के इतनी तेजी से फैलने से लोगों की जिंदगी पर भी असर पड़ रहा है।

पिघलेंगे ग्लेशियर, डूबेंगे शहर: यूएन ने चेताया– पेरिस समझौते में तय 1.5 डिग्री की सीमा पार, कैसे रुकेगी तबाही?

वॉशिंगटन, एजेंसी। आने वाले समय में धरती का तापमान कम से कम 1.8 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ना तय है। अगर तापमान इस स्तर तक पहुंचता है, तो भारी मात्रा में ग्लेशियर पिघलेंगे, समुद्र का जलस्तर बढ़ेगा और दुनिया भर के तटीय शहरों तथा इंसानी जीवन पर हाहाकार मच जाएगा। अब

तापमान साल 2015 के पेरिस समझौते में तय किए गए 1.5 डिग्री सेल्सियस के सुरक्षित दायरे से कहीं आगे निकल चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) की एक नई रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, तापमान में होने वाली हर एक अतिरिक्त वृद्धि चरम मौसम, ग्लेशियरों के पिघलने, पारिस्थितिकी तंत्र के नुकसान और तटीय शहरों के डूबने के खतरे को और खतरनाक रूप से बढ़ा देगी। यूएन की पहले जारी अन्य रिपोर्टों में भी चेताया जा रहा था कि अगर तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से ऊपर गया, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे। ग्लेशियरों के पिघलने का खतरा और समुद्र का बढ़ता जलस्तर अगर धरती का तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के मुकाबले 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, तो साल 2100 तक एक चौथाई से ज्यादा ग्लेशियर पिघल जाएंगे। इससे समुद्र का जलस्तर 13 सेंटीमीटर तक ऊपर आ जाएगा। अगर हालात ऐसे ही रहे, तो 2050 तक वैश्विक खाद्य उत्पादन में 14 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। अभी भी तापमान के घटने की उम्मीद रिपोर्ट के अनुसार, इस सदी में औसत वैश्विक तापमान को वापस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर तभी लाया जा सकता है जब तापमान लगभग 1.8 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहे। साथ ही नेट–जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य को छोड़ना संभव नहीं है और जीवाश्म ईंधनों के उपयोग को रोकने के साथ–साथ वनों के विस्तार जैसे कार्बन अवशोषण के उपाय भी करने होंगे।

मानव स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था को भी गंभीर नुकसान बढ़ते तापमान से मानव स्वास्थ्य, जल आपूर्ति, बुनियादी ढांचा और अर्थव्यवस्थाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित होंगी और कई नुकसान पूरी तरह अपरिवर्तनीय होंगे।

पश्चिम एशिया संघर्ष : राष्ट्रपति ट्रंप बोले– जंग ज्यादा लंबी नहीं चलेगी, ईरानी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान के साथ जारी युद्ध अब श्बहुत ज्यादा लंबाश चलेगा। यह युद्ध 28 फरवरी को शुरू हुआ था। ईरान पर अमेरिका के नए हमलों के कुछ दिन बाद ट्रंप का यह बयान आया है। दोनों देशों के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका ने पिछली रात ईरान पर श्बहुत बड़ा हमलाश किया था। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य के पास हाल में लगाए गए सैन्य उपकरणों को निशाना बनाया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।